राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उतरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात, संस्करण शुक्रवार, 24 फरवरी–2023 वर्ष–6, अंक–32 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एक और पेशाब कांड, नशे में धुत शख्स ने बस में महिला की सीट और सामान किया गंदा

बेंगलुरु। एयर इंडिया के विमान में बुजुर्ग महिला पर पेशाब करने के मामले में आरोपी पर कड़ी कार्रवाई की गई थी। ऐसा ही मामला कर्नाटक के हुबली से सामने आया है। यहां एक कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम की बस में 32 साल के शख्स ने महिला सहयात्री पर पेशाब कर दिया। जानकारी के मुताबिक कर्नाटक राज्य परिवहन की नॉन एसी स्लीपर बस विजयापुरा से मेंगलुरु के लिए जा रही थी। बस का रजिस्ट्रेशन नंबर केए-19 एफ-3554 था। घटना मंगलवार रात की है। एक शख्स ने रात में महिला पर पेशाब कर दिया। बता दें कि इसी तरह की घटना 26 नवंबर को फ्लाइट में हुई थी। यहां एक नशे में धुत शख्स ने न्यूयॉर्क से दिल्ली आने वाली फ्लाइट में महिला सह यात्री पर पेशाब कर दिया था। बस में सफर करने वाले एक शख्स के मुताबिक जब हुबली के पास एक ढाबा पर बस रुकी तो 32 साल के शख्स ने एक 20 साल की युवती की सीट पर पेशाब कर दिया। केएसआरटीसी के एक अधिकारी ने कहा कि घटना के बाद युवती ने शिकायत दर्ज करवाने से इनकार कर दिया था। उन्होंने कहा, जब युवती चिल्लाई तो सहयात्री और ड्राइवर कंडक्टर दौड़कर पहुंचे और आरोपी को पकड़ा। वह नशे की हालत में था। उसने दूसरे यात्रियों के साथ भी बदतमीजी की। बाद में उस शख्स को बस से नीचे उतार दिया गया। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक कुछ लोगों ने बताया कि युवती सीट नंबर 3 पर बैठी थी और आरोपी सीट नंबर 28 पर था। युवती एक मकैनिकल इंजिनयर थी और वह विजयापुरा से मेंगलुरु जा रही थी। ड्राइवर और कंडक्टर ने युवती का बैग और सीट साफ किया। अधिकारियों के मुताबिक जब आरोपी ने गंदी हरकत की तब बस में कोई और मौजूद नहीं था। जब युवती बस में पहुंची तब उसने देखा कि आरोपी उसकी सीट और बैग पर पेशाब कर रहा है।

कांग्रेस को झटका! भारत के पहले भारतीय गवर्नर-जनरल राजगोपालचारी के पोते का इस्तीफा

वह राजीव गांधी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ यूथ डेवलपमेंट में उपाध्यक्ष, प्रसार भारती बोर्ड के सदस्य, नेशनल मीडिया पैनलिस्ट के तौर पर इंडियन यूथ कांग्रेस का सदस्य समेत कई पदों पर रह चुके हैं।

नई दिल्ली। 2014 लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी कांग्रेस को एक और झटका लगता दिख रहा है। भारत के पहले भारतीय गवर्नर-जनरल सी राजगोपालचारी के पोते सीआर केसवन ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को इस्तीफे के कारण गिनाते हुए पत्र भी लिखा है। उन्होंने बताया कि पार्टी के मौजूदा मत से सहमत नहीं हैं। खास बात है कि वह वायनाड सांसद राहुल गांधी की अगुवाई में हुई भारत जोड़ो यात्रा का भी हिस्सा नहीं बने थे।

उन्होंने गुरुवार को खड़गे के नाम पत्र लिखा, विदेश में सफल करियर छोड़कर, मैं भारत वापस अपने देश की सेवा करने के लिए आया था। समावेशी और राष्ट्रीय बदलाव के लक्ष्य के लिए प्रतिबद्ध विचारधारा से प्रेरित होकर साल 2001 में मैं कांग्रेस पार्टी में शामिल हुआ था।

समावेशी और राष्ट्रीय बदलाव के लक्ष्य के लिए प्रतिबद्ध विचारधारा से प्रेरित होकर साल 2001 में मैं कांग्रेस पार्टी में शामिल हुआ था।

उन्होंने पत्र में बताया कि वह राजीव गांधी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ यूथ डेवलपमेंट में उपाध्यक्ष, प्रसार भारती बोर्ड के सदस्य, नेशनल मीडिया पैनलिस्ट के तौर पर इंडियन यूथ कांग्रेस का सदस्य समेत कई पदों पर रह चुके हैं।

उन्होंने आगे लिखा, लेकिन मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है कि कुछ समय से मुझे वो मूल्य नहीं दिख रहे हैं, जो बीते दशकों से पार्टी के लिए काम करने के लिए मुझे प्रेरित कर रहे थे। मैं अब अंदर की अच्छी आवाज से यह नहीं कह सकता कि मैं पार्टी के वर्तमान मत से सहमत हूं। यही वजह है कि मैंने हाल ही में राष्ट्रीय स्तर पर संगठन स्तर पर एक जिम्मेदारी अस्वीकार कर दी थी और भारत जोड़ो यात्रा में भी शामिल नहीं हुआ।

नीतीश को छोड़ नरेंद्र मोदी के पाले में आए उपेंद्र कुशवाहा, खुलकर कहा- 2024 में कोई चुनौती नहीं है

खास बात है कि उन्होंने खड़गे के अलावा पार्टी की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी का धन्यवाद किया है, लेकिन राहुल का कहीं भी जिक्र नहीं है। साथ ही उन्होंने यह भी साफ कर दिया है कि वह किसी अन्य दल से बात नहीं कर रहे हैं। उन्होंने लिखा, मेरे किसी दूसरी पार्टी में जाने के बारे में अटकलें लगाई जा रही थीं, लेकिन साफ कर दूं कि मैंने किसी से भी बात नहीं की है और ईमानदारी से आगे क्या होगा यह मैं नहीं जानता।

भ्रष्टाचार के आरोप में आप विधायक अमित रतन गिरफ्तार, विजिलेंस ने की कार्रवाई

चंडीगढ़। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने देर रात कार्रवाई करते हुए बठिंडा देहाती से आम आदमी पार्टी के विधायक को गिरफ्तार कर लिया। विधायक पर पिछले कई दिनों से गिरफ्तारी की तलवार लटक रही थी। पंजाब में आप सरकार बनने के बाद यह तीसरा मौका है जब भ्रष्टाचार के आरोपों के तहत सत्तारूढ़ दल के विधायक पर कार्रवाई हुई है। विजिलेंस ब्यूरो ने हाल ही में बठिंडा देहाती के विधायक अमित रतन कोटफत्ता के निजी सचिव को चार लाख रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया था। गांव घुद्दा की सरपंच ने आरोप लगाया था कि विधायक के पीए ने विधायक का नाम लेकर गांव के विकास हेतु ग्रांट जारी करने की एवज में यह राशि मांगी थी। विजिलेंस ने जब विधायक के पीए को गिरफ्तार किया तो उस समय बठिंडा में विधायक से भी पूछताछ की गई थी। विजिलेंस ने जब यह मामला दर्ज किया तो सरपंच की शिकायत पर विधायक के नाम का जिक्र भी एफआईआर में किया गया था। इस मुद्दे पर विपक्षी दल लगातार सरकार को घेर रहे थे। विधायक पिछले कई दिनों से भूमिगत थे। इसी दौरान विजिलेंस ब्यूरो ने कार्रवाई करते हुए बुधवार की मध्य रात्रि विधायक अमित रतन को पटियाला जिला के अंतर्गत आते राजपुरा से गिरफ्तार कर लिया। विजिलेंस विधायक को गिरफ्तार करके बठिंडा में लेकर आई है। जहां पूछताछ की जा रही है। इससे पहले विजिलेंस ब्यूरो

ने पंजाब के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री विजय सिंगला को भ्रष्टाचार के आरोपों के तहत गिरफ्तार किया था। पंजाब सरकार भ्रष्टाचार के आरोप लगने के बाद मंत्री फौजा सिंह सरारी को भी पद से हटा चुकी है।

एनआईए की आठ राज्यों में छापामारी, खालिस्तानी आतंकी-गैंगस्टर नेटवर्क का खुलासा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने खालिस्तानी आतंकी-गैंगस्टर-ड्रग स्मगलर के नेटवर्क पर तगड़ी चोट की है। एनआईए ने खालिस्तानी और गैंगस्टर नेटवर्क का खुलासा किया है। एनआईए ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई, जग्गू भगवानपुरिया और गोल्डी बराड़ के लिए काम करने वाले 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एनआईए अब इस केस में आगे की कार्रवाई कर रही है।

76 ठिकानों पर एनआईए की छापेमारी–एनआईए ने जिन आरोपियों को गिरफ्तार किया है उनमें लकी खोखर, लखवीर सिंह, हरप्रीत, दलीप बिश्नोई, सुरिंदर और हरि ओम है। बता दें कि एनआईए ने मंगलवार को 8 राज्यों के 76 ठिकानों पर छापेमारी की

थी। एजेंसी ने पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, यूपी, राजस्थान, एमपी, गुजरात और महाराष्ट्र में कार्रवाई की।

हथियार और कैश बरामद

सितंबर के पहले हफ्ते में तीन एफआइआर दर्ज करने के बाद ये एनआईए का पांचवां छापा था। एजेंसी ने इस दौरान बड़ी संख्या में डिजिटल उपकरण, कारतूस, नौ पिस्तौल और राइफल के साथ ही 2.3 करोड़ कैश बरामद किया है। जेलों में बंद गैंगस्टरों से पूछताछ और पहले मिले सुबूतों के आधार पर एनआईए ने रेड का फैसला किया था।

निशाने पर हवाला ऑपरेटर–एनआईए ने मंगलवार को छापेमारी के दौरान गैंगस्टरों को हथियार आपूर्ति करने वाले और उनकी मदद करने वाले हवाला ऑपरेटरों को निशाने पर लिया। पंजाब में मुक्तसर के लखबीर सिंह, अबोहर के नरेश के साथ ही कई कबड्डी खिलाड़ी भी निशाने पर रहे। एनआईए के अनुसार ये लोग अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी संदीप नागपाल अंबिया और महाराष्ट्र के बिल्डर संजय बियानी की हत्या की साजिश से जुड़े थे। पिछले साल पंजाब में इन दोनों की हत्या कर दी गई थी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इन दोनों की हत्या की साजिश कई जेलों में बंद गैंगस्टरों ने रची थी।

उत्तर भारत में चढ़ेगा पारा, इन राज्यों में बारिश का अनुमान

नई दिल्ली । देश के कई राज्यों में तापमान धीरे-धीरे बढ़ने लगा है। हालांकि, कुछ हिस्सों में हो रही बारिश और बर्फबारी से लोगों को राहत भी मिल रही है। देश की राजधानी दिल्ली में भी कोहरे का पूर्वानुमान है, जिस वजह से न्यूनतम तापमान में गिरावट की संभावना है।

असम, अरुणाचल प्रदेश में बारिश का पूर्वानुमान–मौसम विभाग ने बताया कि असम और अरुणाचल प्रदेश में आज भारी बारिश का पूर्वानुमान है। वहीं, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नगालैंड और मणिपुर में बिजली कड़कने की संभावना है। इसके अलावा ओडिशा में 23 और 24 फरवरी को कोहरे का अनुमान है।

इन इलाकों में बढ़ेगा तापमान

मौसम विभाग की मानें तो उत्तर-पश्चिम, पश्चिम और पूर्वी भारत के हिस्से में अधिकतम तापमान सामान्य से तीन से पांच डिग्री बढ़ेगा। हालांकि, बाकी हिस्सों में अगले पांच दिनों में तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।

पहाड़ी इलाकों में पश्चिमी विक्षोभ का असर

मौसम विभाग ने बताया कि पहाड़ी इलाकों में पश्चिमी विक्षोभ का असर देखने को मिलेगा। पश्चिमी विक्षोभ के चलते जम्मू-कश्मीर में 25 और 26 फरवरी को बिजली कड़केगी। वहीं, हिमाचल प्रदेश में 26 अक्टूबर को बिजली कड़कने की संभावना है।

दिल्ली–यूपी में कैसा है मौसम

दिल्ली में गुरुवार को कोहरे की संभावना जताई गई है। न्यूनतम तापमान गिरकर 13 डिग्री रह सकता है। साथ ही अधिकतम तापमान आज 29 डिग्री रह सकता है। वहीं, यूपी की राजधानी लखनऊ में आज न्यूनतम तापमान 15 डिग्री और अधिकतम तापमान 31 डिग्री रहने का अनुमान है। कुछ हिस्सों में गुरुवार सुबह कोहरा भी हो सकता है।

एक महीने की यात्रा, लव-कुश समीकरण पर फोकस; कैसे नीतीश की टैंशन बढ़ाएंगे उपेंद्र कुशवाहा

नई दिल्ली। जेडीयू छोड़कर अपनी नई पार्टी राष्ट्रीय लोक जनता दल का गठन करने वाले उपेंद्र कुशवाहा अब नीतीश कुमार को सीधी चुनौती देने के मूड में हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने बुधवार को ऐलान किया है कि वह विरासत बचाने के लिए यात्रा निकालेंगे। इस यात्रा की शुरुआत भी वह उसी स्थान से करने वाले हैं, जहां से नीतीश कुमार ने निकाली थी। यह जगह है- पश्चिमी चंपारण जिले में स्थित गांधी आश्रम। नीतीश कुमार की ओर से तेजस्वी यादव को अपना राजनीतिक वारिस बनाए जाने के ऐलान से उपेंद्र कुशवाहा नाराज चल रहे थे। उन्होंने पार्टी छोड़ते वक्त तंज कसा कि नीतीश कुमार को पड़ोसी के घर में ही अपना उत्तराधिकारी नजर आया। कुशवाहा ने ऐलान किया है कि वह 28

फरवरी से यात्रा की शुरुआत करेंगे। दिलचस्प है कि यह यात्रा वह उसी जगह से शुरू करेंगे, जहां से नीतीश कुमार ने की थी। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने भी अपनी जन सुराज यात्रा की शुरुआत यहीं से की थी। इस आश्रम से ही नीतीश कुमार ने 2005 के बाद से सभी यात्राओं की शुरुआत की थी। अब कर्पूरी ठाकुर की विरासत के नाम पर उपेंद्र कुशवाहा भी यहीं से अपनी यात्रा की शुरुआत करने जा रहे हैं। उपेंद्र कुशवाहा ने कहा, हमारी पार्टी बिहार के पूर्व सीएम कर्पूरी ठाकुर के सिद्धांतों को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर है। कर्पूरी ठाकुर ने ऐसे बिहार की कल्पना की थी, जहां हर कोई खुश रहे। उन्होंने कहा कि आज उनकी विरासत से समझौता किया जा रहा है, जो सभी को समान हक दिलाने की बात करते थे। कुशवाहा ने कहा कि हम विरासत बचाओ यात्रा निकालेंगे। इसका समापन 28 मार्च को पटना में सम्राट अशोक की जयंती के मौके पर होगा। इस तरह उन्होंने कुर्मी वोटरों को जोड़ने की भी बात कह दी है। दरअसल सम्राट अशोक से कुर्मी समुदाय अपना ताल्लुक जोड़ता रहा है। ऐसे में उनकी जयंती पर यात्रा के समापन से कुशवाहा कुर्मी-कुशवाहा समुदाय को संदेश देना चाहते हैं। यदि इस वोट में सेंध लगती है तो नीतीश कुमार के लिए यह चिंता की बात होती है।

दो चरणों में होगी यात्रा, इन जिलों से होकर गुजरेगी–कुशवाहा की यात्रा पहले चरण में मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, मधुबनी, अररिया, मधेपुरा, समस्तीपुर, सारण और सीवान से होकर गुजरेगी। इसके बाद दूसरे राउंड में यह यात्रा नालंदा से शुरू होकर शेखपुरा, भागलपुर, नवादा, गया, रोहतास, भोजपुर, अरवल होते हुए पटना में समाप्त होगी। कुशवाहा ने कहा कि जेडीयू में अब कुछ नहीं बचा है। समाजवादियों की विरासत खतरे में है। उसे बचाने के लिए ही मैंने यात्रा निकालने का फैसला लिया है। वहीं राजनीतिक जानकार मानते हैं कि उपेंद्र कुशवाहा खुद को जेडीयू में नंबर दो की पोजिशन पर देखना चाहते थे।

कोरोना के डर से 3 साल तक बेटे संग घर में कैद रही महिला, सूरज की रोशनी नहीं देखी

गुरुग्राम। कोरोना वायरस के खौफ की एक हैरतअंगेज खबर गुरुग्राम से आई है। संक्रमण का डर एक महिला के दिमाग पर इस कदर हावी हुआ कि उसने अपने साथ 10 साल के बेटे को तीन साल घर में कैद रखा। पति दोनों को जरूरत की चीजें तो मुहैया कराता रहा, लेकिन महिला ने उसे घर में घुसने नहीं दिया। पति की शिकायत पर मंगलवार देर शाम पुलिस ने घर का दरवाजा तोड़कर महिला और बच्चे को बाहर निकाला। परिवार से अलग मारुति विहार में किराए के मकान में रह रहा पति सुजान माजी, पत्नी मुनमुन माजी के कहने पर सामान फ्लैट की सीढ़ियों पर रख देता था। दोनों मां-बेटे साबुन से धोने के बाद फल जैसी चीजों को खाते थे। बेटा तीन साल से घर से ऑनलाइन पढ़ाई कर रहा था। बुधवार शाम को गुरुग्राम में मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज बयान में महिला ने कहा कि वह चाहती थी कि बेटा वैक्सीन लगाने के बाद ही घर से निकले। सुजान के मुताबिक, उन्होंने कई बार पत्नी को भी समझाया कि कोरोना खत्म हो चुका है, लेकिन वह मानने को तैयार नहीं थी। डॉक्टरों के मुताबिक, महिला मानसिक समस्या से ग्रस्त है। तीन साल पहले 2020 में कोविड के दौरान उनका बेटा सात साल का था। अब वह 10 साल का हो चुका है। इस दौरान कई बार उनके पति सुजान माझी ने दोनों को बाहर निकालने की कोशिश की लेकिन वह नाकाम रहे। पत्नी मुनमुन माझी का कहना था कि बेटे को वैक्सीन लगने तक बाहर नहीं आएगी। महिला ने अपने पति को भी फ्लैट के अंदर आने से इनकार कर दिया। महिला ने कहा कि वह ऑफिस जाता है, इसलिए बाहर से संक्रमण आ सकता है। बच्चा पूरी तरह से स्वस्थ

मानसिक चिकित्सा विभाग के डॉ.विनय कुमार ने बताया कि बच्चा पूरी तरह स्वस्थ है। बच्चे ने बताया कि उसे समय पर खाना मिलता था। उसकी सभी प्रकार की जरूरतें पूरी की जा रही थीं। उन्होंने बताया कि पति और पत्नी दोनों को कोरोनारोधी टीका लग चुका था। इसके बाद भी महिला मानसिक रूप से समस्या ग्रस्त थी।

बेटे को टीका लगने का था इंतजार

कोविड के डर से बेटे समेत खुद को तीन साल तक घर में कैद करने वाली महिला केवल इसलिए बाहर नहीं निकली क्योंकि उनके बेटे को कोरोनारोधी वैक्सीन नहीं लगी थी। वह कहती थी जब तक उनके बेटे को वैक्सीन नहीं लग जाती वह उसे बाहर नहीं निकलने देगी और न ही खुद निकलेगी।

ऐप से करवाई पढ़ाई

पति ने बताया कि बेटा स्कूल भी नहीं जा पाता था। ऐसे में कई बार बेटे को जूम के जरिए उन्होंने पढ़ाई करवाई। ताकि उसकर सिलेबस पूरा हो सके। पड़ोसियों ने बताया कि कोविड से पहले महिला उनके बात भी करती थी और उनका बेटा स्कूल भी जाता था। लेकिन तीन सालों से उन्होंने नहीं देखा।

प्लंबर से मांगी थी मदद

कॉलोनी के प्लंबर सुब्रत कुमार ने बताया कि सुजान मांझी ने कई बार मकान खुलवाने के लिए मदद भी मांगी थी। उनके कहने पर कई बार उसने किसी बहाने से मकान खुलवाने की कोशिश की, लेकिन पत्नी ने मकान नहीं खोला। लॉकडाउन में महिला पाइप लाइन ठीक करने के लिए बुलाया पर घर नहीं खोला। पड़ोसी गोविंद वालिया ने बताया कि छह महीने पहले उन्होंने गाड़ी खरीदी थी। उस दौरान कुछ हलचल हुई थी। गाड़ी मकान के सामने ही खड़ी है। उन्होंने बताया कि घर में कुछ हलचल नहीं होती थी, ऐसे में उनको लगा था कि कहीं वह भी अपने घर नहीं चले गए हों। सोमवार को पुलिस के आने पर इस बारे में पता चला।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

जलवायु जोखिम

जिस ग्लोबल वार्मिंग संकट को लेकर मीडिया व पर्यावरण संरक्षण से जुड़े संगठन लगातार चेताते रहे हैं वह अब हकीकत बनता जा रहा है। विडंबना यह है कि इस संकट की गंभीरता के प्रति न तो नीति-नियंता गंभीर नजर आए और न ही जनता के स्तर पर जागरूकता दिखाई दे रही है। यह संकट कितना बड़ा है, वैश्विक संस्था क्रॉस डिपेंडेंसी इनिशिएटिव यानी एक्सडीआई की रिपोर्ट उजागर कर देती है। संस्था ने दुनिया के तमाम राज्यों, प्रांतों और क्षेत्रों में निर्मित पर्यावरण केंद्रित भौतिक जलवायु के जोखिम का तार्किक विश्लेषण किया है। दरअसल, जलवायु परिवर्तन के चलते हमारी फसलों, आबोहवा तथा जल स्रोतों पर पड़ने वाले प्रभावों के आकलन के बाद पचास संवेदनशील क्षेत्रों का चयन किया गया है। चिंता की बात यह है कि अमेरिका व चीन के बाद भारत के तमाम राज्य इस संकट वाली सूची में शामिल हैं। उसमें पंजाब भी शामिल है। यूं तो इस सूची में बिहार, उत्तर प्रदेश, असम, राजस्थान, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, गुजरात व केरल भी शामिल हैं, लेकिन पंजाब को लेकर हमारी चिंता बड़ी होनी चाहिए। इसकी एक वजह पंजाब का राष्ट्रीय खाद्यान्न पूल में बड़ा योगदान होना है। यदि ग्लोबल वार्मिंग संकट का राज्य में विकट प्रभाव नजर आता है तो देश की खाद्यान्न सुरक्षा के लिये भी चुनौती पैदा हो सकती है। वहीं दूसरी ओर पंजाब संवेदनशील सीमावर्ती राज्य है, जिसकी किसी तरह की समस्या जटिलता को जन्म दे सकती है। यद्यपि देश के अन्य राज्यों में जलवायु परिवर्तन के जोखिम को भी हल्के में लेने की जरूरत नहीं है। इस समस्या की गंभीरता को देखते हुए राष्ट्रीय स्तर पर इस चुनौती के मुकाबले के लिये रणनीति बनाने की जरूरत महसूस की जा रही है। वह भी ऐसे वक्त में जब देश में आर्थिक विषमता लगातार बढ़ रही है, हमें जलवायु परिवर्तन से होने वाले संकट के प्रति सचेत होना पड़ेगा। दरअसल, इस संकट की बड़ी मार समाज के कमजोर वर्गों व खेतिहर श्रमिक जैसे पेशों पर पड़ती है। दरअसल, इस गंभीर समस्या के प्रति जहां केंद्र व राज्यों को मिलकर मुहिम चलाने की जरूरत है, वहीं किसानों व आम लोगों को जागरूक करने की जरूरत है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि बढ़ते तापमान से हमारी फसलों की उत्पादकता घट जाती है। किसानों ने पिछले साल भी खेतों में लहलहाती फसलों को लेकर जो उम्मीदें जगायी थीं, वो अधिक तापमान होने से अनाज के उत्पादन व गुणवत्ता में आई गिरावट के चलते टूट गईं। कमोबेश ऐसी ही स्थिति इस बार भी नजर आ रही है, जिसने किसानों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। ऐसे में हमारे कृषि वैज्ञानिकों को आगे आने की जरूरत है। साथ ही इस दिशा में अब तक प्रयोगशालाओं में जो शोध हुए हैं, उसे खेत-खलिहानों तक पहुंचाने की जरूरत है। यह तय है कि दुनिया में ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन करने वाले विकसित देश इस दिशा में कई दशकों से जिस तरह लापरवाह बने हुए हैं, उसमें जल्दी कोई बदलाव होता नजर नहीं आता। ऐसे में हमें हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने, जीवाश्म ऊर्जा से परहेज तथा प्रकृति अनुकूल नीतियों को प्रश्रय देना होगा। इतना तय है कि हमारी उपभोक्तावादी संस्कृति और प्रकृति के चक्र में मानवीय हस्तक्षेप ने समस्या को जटिल बनाया है। ऐसे में हमें वृक्ष लगाने तथा हरित इलाके के विस्तार को प्राथमिकता देनी होगी। मौसम में असामान्य बदलाव से हमारे परंपरागत जल स्रोतों पर भी प्रतिकूल असर पड़ेगा। आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित करने के लिये हमें जल स्रोतों के संरक्षण पर विशेष ध्यान देना होगा। यह तय है कि जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है जल स्रोत सिमटने लगते हैं। ऐसा ही संकट देश के कई महानगरों में मंडरा रहा है।

नहर व पेंशन को चुनावी मुद्दा बना रहे हैं गहलोत

मुख्यमंत्री गहलोत राजस्थान के सभी सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना लागू करने की घोषणा कर जहां भाजपा को धर्म संकट में डाल दिया है। वहीं पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना के मुद्दे पर भी भाजपा को घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों में पेयजल व सिंचाई के लिए पूर्वी नहर परियोजना एक वरदान साबित हो सकती है। इन 13 जिलों के करीबन साढ़े तीन करोड़ से अधिक लोगों को जहां पीने को मीठा पानी उपलब्ध हो सकेगा। वहीं डेढ़ से दो लाख हेक्टेयर भूमि की सिंचाई भी होगी।

(लेखक-रमेश सर्राफ धमोरा)

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को राजनीति का जादूगर कहा जाता है। राजनीति में उन्होंने अपनी जादूगरी दिखाने में कोई कसर भी नहीं छोड़ी है। कैसी भी स्थिति रही हो गहलोत अपनी राजनीतिक जादूगरी की कुशलता के बल पर सफल रहे हैं। इसी कारण वह राजस्थान के तीसरी बार मुख्यमंत्री की पारी पूरी करने जा रहे हैं। गत दिनो उन्होने अपने कार्यकाल का अंतिम बजट पेश किया जिसमें अनेकों लोक लुभावनी घोषणायें की गई है। जिनसे आने वाले चुनाव में लाभ मिल सकता है। इसी साल के अंत तक राजस्थान में विधानसभा के चुनाव होने हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत चाहते हैं कि वह चौथी बार मुख्यमंत्री बन कर राजस्थान में नया रिकॉर्ड बनायें। गहलोत का इस बार पूरा प्रयास है कि 1990 से प्रदेश में हर बार सरकार बदलने की चल रही परिपाटी को भी बदला जाए। इसके लिए गहलोत ने अभी से युद्ध स्तर पर अपनी तैयारियां प्रारंभ कर दी है। बजट में प्रदेश के आमजन के लिए कई लोक-लुभावनी घोषणायें करने के साथ ही गहलोत राजनीतिक स्तर पर भी अगला विधानसभा चुनाव जीतने की व्यूह रचना में लगे हुए हैं। मुख्यमंत्री गहलोत राजस्थान के सभी सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना लागू करने की घोषणा कर जहां भाजपा को धर्म संकट में डाल दिया है। वहीं पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना के मुद्दे पर भी भाजपा को घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों में पेयजल व सिंचाई के लिए पूर्वी नहर परियोजना एक वरदान साबित हो सकती है। इन 13 जिलों के करीबन साढ़े तीन करोड़ से अधिक लोगों को जहां पीने को मीठा पानी उपलब्ध हो सकेगा। वहीं डेढ़ से दो लाख हेक्टेयर भूमि की सिंचाई भी होगी। जिससे लोगों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की सरकार ने 2017-18 के बजट में पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना की घोषणा की थी। इस परियोजना में राजस्थान के जयपुर, दौसा, अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर, अजमेर, टोंक, बूंदी, कोटा, बारां और झालावाड़ सहित कुल 13 जिले शामिल है। इस परियोजना के पूरा होने पर 13 जिलों में पेयजल और सिंचाई की सुविधा मिलने लगेगी। मुख्यमंत्री गहलोत को यह बात अच्छे से पता है कि इन 13 जिलों में बढ़त मिलने पर कांग्रेस को दूसरी बार सरकार बनाने से कोई भी नहीं रोक सकता है। इन 13 जिलों में विधानसभा की 83 सीट आती है। जिनमें से अभी कांग्रेस के पास 49 और भाजपा के पास 25 सीट हैं। ऐसे में आगामी विधानसभा चुनाव तक कांग्रेस हर हाल में इस मुद्दे को बनाए रखना चाहती है। जिससे मतदाताओं को अपने पक्ष में कर सकें। इसीलिए गहलोत इस नहर परियोजना को लेकर अग्रेसिव होकर राजनीति कर रहे हैं। उन्हें जहां भी मौका मिलता है भाजपा व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर इस नहर के मुद्दे को लेकर हमला करने से नहीं चूकते हैं। पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों के मतदाताओं को लुभाने के लिए ही गहलोत ने इस बार बजट में नहर के लिये 13 हजार करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान किया है। गहलोत ने कहा है कि यदि केंद्र सरकार इस नहर परियोजना के लिये सहायता नहीं देती है तो भी वह राज्य सरकार के संसाधनों से इसे पूरा करेंगे। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दौसा यात्रा के दौरान भी मुख्यमंत्री गहलोत ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री से इस नहर परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा देने की मांग की थी। गहलोत को पता है कि बार-बार इस परियोजना के लिए केंद्र सरकार को कटघरे में खड़ा करके अगले विधानसभा चुनाव में वह भाजपा को घेर सकते हैं। केंद्र सरकार में जल शक्ति विभाग के मंत्री भी राजस्थान के जोधपुर से सांसद गजेंद्र सिंह शेखावत ही है। ऐसे में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत उनसे भी बार-बार इस परियोजना के लिए केंद्रीय सहायता दिलाने की मांग करते आ रहे हैं। हालांकि मध्यप्रदेश व राजस्थान में आपसी सहमति होने पर ही केंद्र सरकार इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित कर सकती है। मगर अशोक गहलोत अच्छे से जानते हैं कि अगले विधानसभा चुनाव को देखते हुए केंद्र सरकार पर दबाव बनाने का यह सबसे सुनहरा मौका है। जिसे वह किसी भी कीमत पर गंवाना नहीं चाहते हैं। सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना लागू करने के भाजपा पूरी तरह खिलाफ है। प्रधानमंत्री बार-बार पुरानी पेंशन योजना को फिर से बहाल करने पर अपनी असहमति जता चुके हैं। इसी के चलते भाजपा के प्रदेश स्तरीय नेता भी पुरानी पेंशन योजना की मुखालफत कर रहे हैं। मगर हिमाचल प्रदेश के पिछले दिनों हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा की करारी हार से पार्टी के अंदर खाने इस मुद्दे को लेकर चिंता भी जाहिर की जा रही है। हिमाचल प्रदेश में अपने चुनावी घोषणा पत्र में कांग्रेस ने सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना देने का वादा किया था। हिमाचल में कांग्रेस को बहुत बड़ी जीत मिली। जिससे कांग्रेस पार्टी के नेता बहुत उत्साहित हैं। हालांकि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की जीत के अन्य कारण भी हो सकते हैं। मगर पुरानी पेंशन योजना बहाली का वादा भी एक बड़ा कारण रहा है। इसीलिए कांग्रेस पार्टी हर जगह पुरानी पेंशन योजना लागू करने की मांग कर रही है। अपने बजट भाषण में भी मुख्यमंत्री गहलोत ने भाजपा के विधायकों से कहा था कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को समझाएं कि वह कर्मचारियों के हित में पुरानी पेंशन योजना फिर से लागू करें। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का अनुसरण करते हुए छत्तीसगढ़ एवं झारखंड की सरकारों ने भी अपने सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना देने की घोषणा कर दी है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की पुरानी पेंशन योजना की घोषणा के बाद भाजपा विरोधी बहुत से दलों ने भी इस मांग का समर्थन करते हुए इसे पूरे देश में लागू करने की मांग की है। केंद्र सरकार के कर्मचारी संगठन भी लंबे समय से पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने की मांग कर रहे हैं। इसके चलते देश के सभी सरकारी कर्मचारियों का मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के प्रति सहानुभूति होना लाजमी है। गहलोत को इस बात की जानकारी है कि उनके द्वारा शुरू किया गया पुरानी पेंशन योजना का मुद्दा आज राष्ट्रव्यापी मुद्दा बन चुका है। ऐसे में वह इससे भुनाने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं। अगले विधानसभा चुनाव की पूरी कमान गहलोत के हाथों में ही रहनी है। इसीलिए उन्होंने अपनी सरकार की छवि चमकाने के लिए कई निजी प्रचार एजेंसियों से अनुबंध किया है। यह एजेंसियां अगले विधानसभा चुनाव तक गहलोत सरकार की उपलब्धियां आमजन तक पहुंचाने का काम करेगी। मुख्यमंत्री गहलोत को पता है कि 25 सितंबर को जयपुर में जो घटनाक्रम हुआ था उससे पार्टी आलाकमान उनसे नाराज है। इसके साथ ही उन्होंने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद भी ठुकरा दिया था। उसके बाद वह आलाकमान की गुडबुक में नहीं रहे हैं। पार्टी आलाकमान को जब भी मौका मिलेगा उनको झटका दिया जा सकता है। ऐसे में वह पार्टी आलाकमान का फिर से विश्वास हासिल करने के लिए राजस्थान में कांग्रेस की सरकार को रिपीट करवाना चाहते हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के लिए अगला विधानसभा चुनाव किसी युद्ध से कम नहीं है। यदि वह चुनाव जीतते हैं तो पार्टी में सबसे बड़े नेता के रूप में उभरेगें और यदि चुनाव हार जाते हैं तो यह उनकी राजनीति की आखिरी पारी होगी।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।)

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मुनाफे में किसान का हिस्सा सुनिश्चित हो

देविंदर शर्मा

पर्यावरण विज्ञान के जाने-माने अध्ययनविद प्रोफेसर डेविस स्टोन, जो 'कृषि दुविधा : दुनिया का पेट कैसे भरें' नामक लेख के लेखक भी हैं, उन्होंने एक दिन ट्वीट करते हुए कहा, 'मैं कृषि संबंधी उद्योग और किसानी को जुदा मानता हूं। कृषि संबंधी उद्योगों को मिलने वाली संघीय सरकार की मदद अधिकाशंतः किसानों की एवज पर होती है।' मैंने महसूस किया कि नीति-निर्माताओं, नीति विश्लेषकों के अलावा मीडिया की अतार्किक व्याख्या को उजागर करता यह निचोड़ कितना सटीक है क्योंकि हमें यह यकीन दिलाना कि कृषि संबंधी उद्योग को सरकारी मदद का मतलब है किसानी मदद करना, तो यह तथ्यात्मक रूप से गलत है। अपनी प्रतिक्रिया में मैंने इस तरह स्पष्ट किया 'भारत में भी, ज्यादातर विश्लेषक कृषि व्यवसाय को मिलने वाली मदद का अर्थ किसान को मिली मदद से निकालते हैं। यही वजह है कि जहां कृषि-संबंधी उद्योग तरक्की करते गए वहीं कृषक नीचे फिसलते गए।' कम से कम यह वही है जो मैंने सालों से होते देखा है। एक तरफ खाद, कीटनाशक, ट्रैक्टर और अन्य खेती उपकरण इत्यादि के निर्माता लगातार फल-फूल रहे हैं और उनके शेयरों के दाम बढ़ रहे हैं तो दूसरी ओर किसान को बुरी तरह कृषि-संत्रास झेलने पड़ रहे हैं। ठीक इसी वक्त मीडिया में आए दिन खबरें देखने को मिलती हैं कि सही दाम न मिलने से हताश किसान ने टमाटर, लहसुन, आलू और बैंगन सड़कों पर फेंक दिए या खड़ी फसल को खुद आग लगानी पड़ी। तमाम नतीजे किसान को ही भुगतने पड़ते हैं। आज तक नहीं देखा कि किसी व्यापारी को (जैविक उत्पाद खरीदने वाले सहित) अंततः घाटा उठाना पड़ा हो। उदाहरणार्थ, पंजाब में, वर्ष 2000-2015 यानी 15 सालों में 16,600 किसानों ने आत्महत्या की है जबकि हमने शायद ही किसी व्यापारी को (सिवाय निजी कारणों से) खुदकशी करते पाया। दूसरे शब्दों में, कृषि आपूर्ति श्रृंखला इतनी चतुराई से गढ़ी गई है कि कड़ियों के दोनों छोर वाले तो फायदे में रहते हैं लेकिन किसान घाटे में। यही वजह है कि हर साल रिकॉर्ड कृषि उत्पादन होने के बावजूद कमाई में कृषक सबसे निचले पायदान पर रहता है। अक्सर हैरानी होती है कि मार्च, 2021 में जारी एफएओ नामक संगठन की रिपोर्ट में भारतीय कृषि (वर्ष 2018) के अनुमान में सकल कृषि फसल उत्पादन का मूल्य 289,802,032 मिलियन डॉलर आंका गया, वहीं सकल खाद्य सामग्री उत्पादन 400,722,025 मिलियन डॉलर मूल्य का रहने पर भी किसान आर्थिक बदहाली में है। आखिरकार, अपने 418,541,342 मिलियन डॉलर मूल्य के उत्पादन के साथ भारत दुनियाभर में चीन के बाद दूसरे पायदान पर है। फिर भी भारतीय खेती को भीषण संत्रास का सामना क्यों करना पड़े। इस बाबत 'सिचुएशन एसेस्मेंट सर्वे ऑफ एग्रीकल्चर हाउसहोल्ड-2018 रिपोर्ट' में अनुमान के मुताबिक एक औसत कृषक की कुल पारिवारिक आय 10218 रुपये (124 डॉलर) प्रति माह है। इस कमाई में गैर-कृषि गतिविधियों से प्राप्त आमदनी भी शामिल है। लेकिन बात जब विशुद्ध से प्राप्त कमाई की करें तो यह महज 27 रुपये दैनिक बनती है। उत्पादन आंकड़ों को देखकर यह साफ है कि आर्थिक विकास की बुनियाद किसान की मेहनत पर टिकी है, और दौलत के असल सूत्रधार भी वे हैं। लेकिन जब हम खेती से प्राप्त आय देखें तो जिस दारूणता और दर्द के साथ कृषक किसी तरह जी रहा है, यह पहेली बनी हुई है। फिर भी, किसान की कमाई बढ़ाने की खातिर सरकारी सहायता के परोक्ष उपाय और कार्यक्रम, जिसमें फसल का गारंटिड मूल्य देना शामिल है, यह लाभ सीधे किसान को पहुंचे, ऐसी नीतियां बनाने के बजाय नियंताओं का ध्यान आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने पर केंद्रित रहता है, जिसका मतलब है एक बार फिर से खाद्य श्रृंखला के आखिरी छोर वालों का फायदा करना। इस जटिलता को आसानी से समझाने का उपाय 'एग्रीबिज़नेस मैटर्स' नामक वेबसाइट चलाने वाले वेंकी रामचंद्रन नामक एक तकनीक-माहिर ने सुझाया है। इसके अनुसार, जाने-पहचाने 'स्माइली' प्रतीक चिन्ह को देखें तो होठों की मुस्कान अंग्रेजी वर्ण यू का द्योतक है, उसके दोनों अंतिम सिरों पर, एक पर कृषि में प्रयुक्त अवयवों के निर्माता हैं और दूसरे पर कृषि उत्पाद के खरीदार, तो वहीं चंद्राकार वक्र के सबसे निचले बिंदु पर दबा-कुचला किसान है। इसलिए स्माइली वक्र उस अफसोसनाक सवाल का सबसे आसान जवाब है, जिसकी अनदेखी अधिकांश लोग करना चाहते हैं और फिर पूछते हैं 'जब कृषि से जुड़े तमाम व्यवसाय पैसा बना रहे हैं तो फिर किसान की कमाई क्यों नहीं हो रही?' जैसा कि अक्सर समझाता आया हूं, नई तकनीक से दक्षता बढ़ने और इससे बढ़े कृषि उत्पादन के बावजूद किसान की कृषि से होने वाली आय नीचे जा रही है। जैसा कि कनाडाई लेखक और समालोचक डारिन क्वालमैन ने अपने आकलन में दर्शाया है, किसान को मिलने वाली गेहूं की वास्तविक कीमत (मुद्रा स्फीति ध्यान में रखने के बाद) पिछले 150 सालों से नीचे की ओर जाती गई, गेहूं की कीमत 1867 में 30 डॉलर प्रति बुशेल (27.21 किलो) से घटकर वर्ष 2017 में 5 डॉलर प्रति बुशेल हो गई। जबकि इस अवधि में, गेहूं से बनने वाली डबलरोटी की कीमत बढ़ती गई, केवल पिछले चार दशकों में इनमें कई गुणा इजाफा हुआ है। इसी तरह यदि लैटिन अमेरिकी मुल्कों से निर्यातित केले का मामला देखें तो उपभोक्ता द्वारा चुकाई कीमत से किसान के हिस्से आने वाली इतनी कम है कि इससे पैदावार की लागत तक नहीं निकलती। किसान साल के 9 महीने खूब खटता है फिर भी मामूली आमदनी पर किसी तरह जीवित है। लेकिन दूसरी ओर उसके उत्पाद की आपूर्ति श्रृंखला के दोनों छोर वाले यानी कंपनियां और ग्राहकों को कोई शिकायत नहीं है। एक अमेरिकी कृषक ने कुछ देर पहले ट्वीट किया था कि मक्का का जो मूल्य उसे आज मिल रहा है वह 1970 के दशक के शुरू में उसके पिता को मिलने वाली कीमत से कम है। जाहिर है सबक मिलता है। जब बजटीय प्रावधानों में कृषि से जुड़ी समूची मूल्य श्रृंखला को बढ़ावा देने वाले उपाय, जिसमें डिजिटल सार्वजनिक आधारभूत ढांचा बनाने और कृषि नव-नवोन्मेष के लिए अलहदा विशेष फंड रखा गया है, तो यहां सवाल है ये उपाय किसान की आय बढ़ाने में कैसे परिवर्तित होंगे? यहां तक कि कृषि उत्पादक संगठन (एफपीओ) के मामले में भी, वे लोग इस विचार को लेकर बहुत उत्साह दिखाते हैं कि यदि कई किसान अपने उत्पाद को आपस में एका बनाकर बेचें (एग्रीगेशन) तो जिंस की बढ़िया कीमत ले पाएंगे, लेकिन ऐसे अधिकांश मामलों में जो मूल्य उत्पाद का लगता है, वह न्यूनतम समर्थन मूल्य से कही कम होता है। प्रस्तावित कृषि वेगवर्धक निधि, जिसकी घोषणा बजट-2023 में की गई है और जिसका उद्देश्य कृषि नवोन्मेष को मदद देकर किसानों को दरपेश चुनौतियों का नूतन हल निकालना है, देखना है क्या यह प्रयोग भी अंततः तकनीक-प्रदाताओं का ही फायदा करेगा या वास्तव में किसान की उद्यम-क्षमता बढ़ाने वाला होगा। उपभोक्ता किसी उत्पाद की जो कीमत चुकाता है, उसका न्यूनतम अंश किसान तक पहुंचे यह गारंटी बनाना शायद कहीं ज्यादा बढ़िया तरीका है और कृषि आपूर्ति श्रृंखला को कृषकों की खातिर यह सुनिश्चित करना ही होगा।

लेखक खाद्य एवं कृषि मामलों के विशेषज्ञ हैं।

विचार मंथन

चाबुक खाकर चलना हमारी नियति

(लेखक- सनत जैन)

गुलामी का जीवन जीना शायद भारत के नागरिकों के लिए एक अभिशाप है। हजारों /लाखों वर्षों का इतिहास है। हम अपनी आजादी और स्वतंत्रता को स्वयं खोने के लिए तैयार होते हैं। हम स्वतंत्र होकर सोचना ही नहीं चाहते हैं।भेड़ की तरह हमें जो भी आता है। हम उसकी आवाज पर चलना शुरू कर देते हैं। जनता और भेड़ दोनों की, एक ही नियति है। उसे रास्ता दिखाने के लिए हाँके, उसके भोजन का प्रबंध कर दे, और उसे सुरक्षा का एहसास कराए। जैसे कोल्हू का बैल दिनभर चाबुक खाने का आदी होता है। आंख में पट्टी बांधकर उसे दिनभर चलाया जाता है। गले में घंटी बांध दी जाती है। ताकि वह अपने चलते रहने का एहसास कराता रहे। इसी प्रक्रिया में कोल्हू का बैल पूरा जीवन गुजार देता है। यही हम भारतीयों की आदत है। बिना चाबुक खाए, हम चलते ही नहीं हैं। हमारी कोई स्वतंत्र चेतना नहीं है। संविधान के मौलिक अधिकार मिलने के बाद भी, हम अपने अधिकारों को भी नहीं जान पाए।धर्म के नाम पर लाखों वर्षों से कभी वर्ण व्यवस्था, कभी जाति व्यवस्था, कभी स्वर्ग के सपने दिखाकर,कभी नर्क और स्वर्ग की कल्पना कराकर, राजा महाराजा और पंडित हमेशा से हमें धर्म के नाम पर गुलाम बनाकर रखते रहे हैं। लाखों वर्षों से गरीब हैं। आज भी गरीब हैं।अभी भी 5 किलो राशन के सहारे हैं। अभी भी हमें सुरक्षा के लिए नेता और सरकार की जरूरत होती है।हम अपनी स्वयं की रक्षा भी करना नहीं जानते हैं। हम काम भी नहीं करना चाहते। आज भी धर्म के नाम पर हमें हाँका जा रहा है। मुट्ठी भर आक्रांता आए। उन्होंने 200 साल में पूरे भारत की रियासतों पर कब्जा कर लिया। हम उनके गुलाम बन गए। उसके बाद अंग्रेज आए। हम उनके गुलाम बन गए।तब भी हमारा सनातन धर्म था। तब भी हमारे भगवान थे। उस समय भी 33 करोड़ हिंदू देवी देवता थे।फिर भी हम गुलाम बने रहे। जानवर तो अपनी स्वतंत्रता के लिए लड़ लेता है। जंगल के जानवर भी अपना जीवन जीना जानते हैं। वह आसानी से पालत या गुलाम नहीं बनते हैं। लेकिन हम भारतीय नागरिक अपनी स्वतंत्रता के लिए भी नहीं लड़ पाते हैं। सोचते हैं कि भगवान या राजा हमारी रक्षा करेगा। जिसके कारण हम कोल्हू के बैल, गडरिया की आवाज और एक छोटी सी लाठी के सहारे चलते रहने एवं तथाकथित सत्ता के नाम पर गुलामी स्वीकार कर अपनी स्वतंत्रता को हमेशा से खोते चले आए हैं। वैश्विक मंदी है,भारतीय अर्थव्यवस्था चरमरा गई है, गरीब और गरीब हो गया है। भारत के 80 करोड़ लोग 5 किलो राशन के लिए सरकार की ओर टकटकी लगाकर देखते हैं। हर जरूरत के समय सरकार की कृपा पाने के लिए लाइन लगाकर खड़े हो जाते हैं। जनता खुद टेक्स देती है। अब तो गरीबों को ही सबसे ज्यादा टैक्स देना पड़ रहा है। अमीर कमाई कर रहे हैं,लेकिन टैक्स नहीं दे रहे हैं। गरीब जनता के टेक्स से सरकारी खजाना भरता है। सरकार उसी खजाने से 5 किलो अनाज और कुछ आर्थिक सहायता देकर गरीबों पर एहसान जताकर उन्हें भिकमंगा बता देती है। सरकार अपने नियम और कानूनों का चाबुक चलाकर नियंत्रित करती है। हम सरकार के चाबुक और उसके इशारे पर चलने के लिए विवश होते हैं।जितना टैक्स देते हैं। उसका 10 परसेंट भी गरीबों को वापस नहीं मिलता है। उसके बाद भी हम सरकार को अन्नदाता मानकर उनकी पूजा कर रहे होते हैं। हम अपने अधिकार वोट देकर तथाकथित नेताओं को सौंप देते हैं। हमारे ही अधिकारों को प्राप्त कर वह हमारे ऊपर ही जुल्म कर रहे हैं। धर्म के नाम पर हम आंख मूंदकर किसी की जान लेने और देने के लिए तैयार हो जाते हैं। हम 200 रुपए लीटर पेट्रोल खरीदने तैयार हैं। 50 रूपये किलो का आटा भी खरीद सकते हैं। लेकिन अपने अधिकारों और अपनी स्वतंत्रता के लिए लड़ नहीं सकते हैं। अमीर-अमीर होते जा रहे हैं। राजनेता सत्ता में आते ही करोड़पति, अरबपति और खरबपति बन जाते हैं। हम उनके ऐश्वर्य और देवत्व से इतने प्रभावित हो जाते हैं, कि उसके बाद हमारी सारी सोच और स्वतंत्रता हीउनके कद को देखते हुए खत्म हो जाती है। यही हमारे भगवान बन जाते हैं। कर्म और भाग्य पर हमारी निष्ठा है। हम मनुष्य जीवन में अपने कर्म भी करना नहीं चाहते हैं। भाग्य के भरोसे बैठकर यह सोचते हैं, कि भगवान ने जो भाग्य मे लिख दिया है,होई वही जो राम रचि राखा की तर्ज पर भगवान भरोसे बैठकर भी मिल जाएगा। अब हम सरकारी नमक के कर्जदार बनकर,नमक का हक अदा करने के लिए मजबूर हैं।इसी में हमारी सुरक्षा है। कोल्हू के बैल को उसका मालिक जितना भोजन उपलब्ध करा देता है। उसमें वह संतुष्ट हो जाता है। भेड़ों को चरने के लिए जो मिल जाए,उसमें वह संतुष्ट हो जाती है। इसी तरह गरीबों को भगवान के भरोसे जो मिल जाता है। हमारी हिंदू जनता उसी को भाग्य मानकर संतोष कर लेती है। वह भाग्य को मान लेती है।कर्म को भूल जाती है।यही हमारी हिंदू संस्कृति और सनातन परंपरा है। धर्म आचरण से आता है। हम कल्पनाओं और नारों के सहारे धार्मिक हो जाते हैं। बिना मारे सब स्वर्ग पाना चाहते हैं। अभी की स्थितियों को तो देखते हुए यही लगता है।

जूट बैग में खाद्यान्न की 100 फ़ीसदी पैकिंग अनिवार्य

नई दिल्ली । केंद्र सरकार जूट किसानों को फायदा देने के लिए, खाद्यान्न की पैकिंग 100 फ़ीसदी जूट बैग में अनिवार्य करने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को मंत्रिमंडल की बैठक हुई। इस बैठक में 30 जून 2023 के लिए जूट बैग के अनिवार्य इस्तेमाल की मंजूरी दी गई है। नए नियम के अनुसार खाद्यान्न की 100 फ़ीसदी और शक्कर की 20 फ़ीसदी पैकिंग,जूट बैग में करना अनिवार्य किया गया है। केंद्र सरकार के इस निर्णय से जूट किसानों को बड़ा आर्थिक लाभ होगा। सरकार खाद्यान्नों की पैकिंग के लिए हर साल लगभग 9000 करोड़ रुपए मूल्य के जूट के बैग खरीदती है। इससे जूट किसानों और कामगारों को आर्थिक लाभ पहुंचता है। भारतीय खाद्य निगम,खाद्यान्न की पैकिंग के लिए जूट के बैग को सबसे ज्यादा क्रय करता है।

40 लाख किसानों को फायदा

केंद्रीय मंत्रिमंडल के इस फैसले से करीब 40 लाख जूट किसानों को फायदा होगा। इस फैसले से शेयर बाजार में जूट से जुड़ी हुई कंपनियों के शेयर में भी तेजी देखने को मिलेगी। शेयर बाजार में जूट कंपनियों के शेयर बढ़ने से शेयर बाजार की गिरावट को थामने में भी सरकार को मदद मिलेगी।

वोल्वो ने माइल्ड हाइब्रिड मॉडलों की कीमत दो प्रतिशत तक बढ़ाई

नई दिल्ली । वोल्वो कार इंडिया ने बुधवार को बताया कि उसने अपने माइल्ड-हाइब्रिड मॉडलों की कीमतों में दो प्रतिशत तक की बढ़ोतरी कर दी है। कंपनी ने कहा कि बजट में की गई शुल्क वृद्धि के प्रभाव को समाहित करने के लिए यह फैसला किया गया है। वोल्वो इंडिया ने अपने बयान में कहा है कि एक्ससी40, एक्ससी60, एस90 और एक्ससी90 के माइल्ड-हाइब्रिड संस्करणों की कीमतों में 1-2 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। कीमत बढ़ने के बाद एक्ससी40 बी4 माइल्ड-हाइब्रिड की शो-रूम कीमत 46.4 लाख रुपए होगी। इसी तरह एक्ससी 60 बी5 माइल्ड-हाइब्रिड की कीमत 67.5 लाख रुपए, एस90 बी5 माइल्ड-हाइब्रिड की कीमत 67.9 लाख रुपए और एक्ससी90 बी6 माइल्ड हाइब्रिड की कीमत बढ़कर 98.5 लाख रुपए हो गई है। वोल्वो कार इंडिया की प्रबंध निदेशक ज्योति मल्होत्रा ने कहा हाल के बजट में घोषित सीमा शुल्क में बदलाव से हमारे पेट्रोल माइल्ड-हाइब्रिड मॉडल की लागत में वृद्धि हुई है। इसके चलते हमारे माइल्ड-हाइब्रिड मॉडलों की कीमत में मामूली वृद्धि हुई है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आया बदलाव

मुम्बई । अंतरराष्ट्रीया बाजार में गुरुवार को कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट से देश भर में इसकी कीमतें प्रभावित हुई हैं। इससे सरकारी तेल कंपनियों की ओर से पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में भी बदलाव किया गया है। नोएडा में आज पेट्रोल-डीजल की कीमतें घटी हैं जबकि लखनऊ और पटना में इसकी कीमतों में उछाल आया है हालांकि महानगरों में इसकी कीमतें पहले की तरह ही बनी हुई हैं। यूपी के गौतमबुद्ध नगर जिले आज सुबह पेट्रोल के दाम 40 पैसे नीचे आये जिससे ये 96.59 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया जबकि डीजल की कीमतें 40 पैसे नीचे आयीं और ये 89.76 रुपये लीटर पहुंच गयी हैं। वहीं लखनऊ में पेट्रोल महंगा हुआ है और इसकी कीमतें 9 पैसे बढ़ी हैं जिससे ये 96.57 रुपये लीटर पर पहुंच गयी है जबकि डीजल 9 पैसे बढ़कर 89.767 रुपये लीटर पहुंच गया है। दूसरी ओर बिहार की राजधानी पटना में आज पेट्रोल 5 पैसे महंगा होने के साथ ही 107.59 रुपये लीटर बिक पहुंचा है, जबकि डीजल की कीमतें 4 पैसे बढ़ी हैं जिससे ये 90.36 रुपये लीटर पहुंच गयी हैं। कच्चे तेल की कीमतों में पिछले 24 घंटे में बड़ी गिरावट आई है। ब्रेंट क्रूड (कच्चा तेल) करीब 2 डॉलर गिरकर 80.67 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। वहीं डब्ल्यूटीआई का रेट भी 2 डॉलर गिरावट के साथ 74.04 डॉलर प्रति बैरल आ गया है। दिल्ली में पेट्रोल पहले की तरह ही 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये पर बना हुआ है।

अगले दिनों में आरबीआई अपनी ब्याज दरों में कर सकता है 25 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

महंगे कर्ज के बोझ से अभी राहत नहीं मिलने वाली। आरबीआई ने फरवरी के पहले हफ्ते में रेपो रेट में 0.25 फीसदी बढ़ोतरी कर कर्ज को पहले से महंगा कर दिया है। अब एक बार फिर महंगाई की मार पड़ने वाली है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) एक बार फिर से आपको ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर झटका दे सकती है। यानी आने वाले महीनों में एक बार फिर से ब्याज दरों में बढ़ोतरी की गुंजाइश है। आसान भाषा में कहे कि एक बार फिर से आप पर कर्ज का बोझ बढ़ने वाला है। एक बार फिर से आपके होम लोन, कार लोन की ईएमआई बढ़ने वाली है।

आरबीआई लगातार ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर रहा है। महंगाई पर लगाम लगाने के लिए रेपो रेट में बढ़ोतरी की जा सकती है। माना जा रहा है कि आने वाले महीनों में फिर से रेपो रेट में बढ़ोतरी की जा सकती है। रेपो रेट में फिर से 25 बीपीएस की बढ़ोतरी की संभावना बन रही है। दरअसल वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण महंगाई के खिलाफ लड़ाई जटिल होती जा रही रहै। इस पर काबू रपाने के लिए आरबीआई को एक बार फिर से सख्त फैसले लेने पड़ सकते हैं। बुधवार को जारी एमपीसी की बैठक के ब्योरे के मुताबिक आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि बढ़ती कीमतों और महंगाई के कारण मुद्रास्फीति को लेकर काफी अनिश्चितता की स्थिति है।

उन्होंने कहा कि इसपर नियंत्रण पाने के लिए आने वाले दिनों में ब्याज दरों में 25 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी की गुंजाइश बनती है। वहीं रेटिंग एजेंसी एक्यूइट रेटिंग्स ने भी कहा है कि आरबीआई मौद्रिक सख्ती जारी रखेगा। आने वाले दिनों में 25 आधार अंकों की बढ़ोतरी की जा सकती है। अपनी रिपोर्ट में रेटिंग एक्यूइट ने कहा कि

अप्रैल 2023 में आरबीआई 25 बीपीएस की बढ़ोतरी कर सकता है। आरबीआई की ओर से रेपो रेट में बढ़ोतरी के बाद से ईएमआई का बोझ लगातार बढ़ रहा है। जो बैंक 6.5 प्रतिशत या उसके आसपास की ब्याज दरों पर लोन दे रहे थे, उनकी ब्याज दरें बढ़कर 8.85 फीसदी हो गई है। लोगों पर प्रति लाख ईएमआई का बोझ 825 रुपए बढ़ चुका है। आने वाले दिनों में ये बोझ और बढ़ने वाला है।

टाटा स्टील का शेयर कराएगा निवेशकों को मोटी कमाई, ब्रोकरेज हाउस ने दिया बड़ा टारगेट

नई दिल्ली । देश की दिग्गज इस्पात कंपनी टाटा स्टील के शेयरों ने रिटर्न के मोर्चे पर अब तक निवेशकों को निराश किया है। पिछले एक साल में इस शेयर के भाव में कोई ज्यादा बढ़ोतरी नहीं हुई। बल्कि इस शेयर ने 2 फीसदी से ज्यादा का नेगेटिव रिटर्न दिया है। स्टील प्रॉडक्ट्स पर निर्यात शुल्क 'शून्य' से बढ़ाकर 15 फीसदी कर देने और चीन में कोरोना महामारी के कारण स्टील शेयरों में मंदी का दौर देखने को मिला है। हालांकि, कुछ ब्रोकरेज हाउस इस भाव पर टाटा स्टील के शेयरों में तेजी की सलाह दे रहे हैं और स्टॉक का प्राइस टारगेट बढ़ाया है। दिसंबर तिमाही में खराब नतीजे पेश करने के बाद टाटा स्टील के शेयरों में गिरावट देखने को मिली। वहीं, पिछले एक महीने में यह शेयर 9 फीसदी से ज्यादा गिर गया है। हालांकि, 2 साल में शेयरों ने 66 प्रतिशत से ज्यादा और 3 वर्षों में 150 फीसदी का रिटर्न दिया है। टाटा स्टील का शेयर पिछले साल फरवरी में 118 रुपये के भाव के आसपास ट्रेड कर रहा था लेकिन अब स्टॉक का भाव 111 रुपये है। शेयर ने 6 अप्रैल 2022 को 138 रुपये का हाई और 23 जून 2022 को 82 रुपये के लेवल को छूकर लो बनाया था। हालांकि, लंबी अवधि में गिरावट के बावजूद ब्रोकरेज हाउस टाटा स्टील पर बुलिश हैं। आनंद राठी इस शेयर पर खरीदारी की राय देते हुए टारगेट प्राइस 133 रुपये रखा है। आनंद राठी के अनुसार, कंपनी दुनिया में सबसे बड़े स्टील उत्पादकों में से एक है और प्रति वर्ष 34 मिलियन टन की वार्षिक क्रूड स्टील क्षमता वाली शीर्ष वैश्विक स्टील कंपनियों में से एक है। टेक्निकल चार्ट्स पर टाटा स्टील का शेयर 113 रुपये के भाव पर रेजिस्टेंस का सामना करना रहा है, लेकिन इस लेवल को पार करने के बाद शेयर में तेजी आ सकती है और मध्यम अवधि में यह 122-128 रुपए तक जा सकता है।

नई रिवर इंडी इलेक्ट्रिक स्कूटरों की एसयूवी, बाजार में लांच

बेंगलुरु । (एजेंसी)

बेंगलुरु बेस्ड इलेक्ट्रिक वाहन स्टार्ट-अप रिवर ने गुरुवार को घरेलू बाजार में अपने पहले वाहन के तौर पर इंडी इलेक्ट्रिक स्कूटर को लांच किया है। कंपनी का दावा है कि, ये नई रिवर इंडी स्कूटरों की एसयूवी है। कंपनी ने गुरुवार को इलेक्ट्रिक स्कूटर को लांच करने के साथ ही इसकी आधिकारिक बुकिंग भी शुरू कर दी है। इस स्कूटर की कीमत फेम -2 सब्सिडी के बाद 1,25,000 रुपये (एक्स-शोरूम बेंगलुरु) है, जिसके लिए कंपनी ने वर्तमान में आवेदन किया है। इच्छुक ग्राहक इस स्कूटर को महज 1,250 रुपये का बुकिंग अमाउंट देकर बुक कर सकते हैं। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर को बेंगलुरु में कंपनी के रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर में डिजाइन किया गया है। कंपनी का कहना है कि, रिवर इंडी 55-लीटर (43 लीटर बूट स्पेस और 12 लीटर ग्लव बॉक्स) की सबसे बड़ी स्टोरेज स्पेस जैसी कई अनूठी विशेषताओं के साथ एक नई डिजाइन फिलॉस्पी के साथ पेश की गई है। जो कि इसे बाजार में उपलब्ध अन्य स्कूटरों के मुकाबले और भी बेहतर बनाता है। दावा किया जा रहा है कि, ये स्कूटर 200 किलोग्राम तक का वजन उठाने में सक्षम है। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर में दिया गया इलेक्ट्रिक मोटर अधिकतम 6.7किलोवॉट की पावर और 90 किमी प्रति घंटे की टॉप स्पीड देता है। ये स्कूटर 18 डिग्री ग्रेडेबिलिटी हासिल कर सकता है।

इस स्कूटर में 4किलोवॉटप्रतिघंटा की क्षमता का बैटरी पैक दिया गया है, जो कि 120 किमी (ईको मोड पर) की ड्राइविंग रेंज देता है। ये इलेक्ट्रिक स्कूटर तीन अलग-अलग ड्राइविंग मोड्स के साथ आता है, जिसमें इको, राइड और रश मोड शामिल है। स्टैंडर्ड चार्जर से इसकी बैटरी महज 5 घंटे में ही 80 प्रतिशत तक चार्ज हो जाती है। रिवर इंडी में कंपनी ने 14 इंच का व्हील दिया गया है, ये सेग्मेंट की पहली स्कूटर है जिसमें इतना बड़ा व्हील दिया गया है। इसका बड़ा व्हील चालक को हाई राइडिंग पोजिशन प्रदान करता है। इसमें एक लॉक और लोड पैनियर-स्टे भी दिया गया है जो ग्राहकों के लिए बेहद ही उपयोगी साबित होगा। इसमें ट्वीन बीम हेडलैंप, यूनिक टेललैंप और मोटरसाइकिल स्टाइल वाला क्लीप-ऑन हैंडलबार दिया गया है। कंपनी का दावा है कि, यह स्कूटर सेगमेंट में सबसे लंबी और चौड़ी सीट के साथ आता है। इंडी में फ्रंट फूड पेग भी है, जो भारत में स्कूटर सेगमेंट में पहली बार देखने को मिलता है। इसके फ्रंट में टेलीस्कोपिक सस्पेंशन और पिछले हिस्से में एक ट्विन रियर हाइड्रॉलिक सस्पेंशन दिया गया है जो कि इसके राइड को और भी आरामदायक बनाता है। इसकी डिलीवरी अगस्त 2023 से शुरू होगी। कंपनी इसके साथ 5 साल की वारंटी दे रही है।

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद अडाणी समूह के शेयरों में भारी गिरावट से ऑस्ट्रेलिया के पेंशनर्स की बढ़ी धड़कन

नई दिल्ली । अडाणी समूह के शेयरों में गिरावट का क्रम जारी है। समूह के कई शेयर 52 हफ्ते के न्यूनतम स्तर पर पहुंच चुके हैं। समूह का मार्केट कैप 142 अरब डॉलर कम हो चुकी है। अडाणी समूह के शेयरों में आई इस गिरावट ने ऑस्ट्रेलिया के पेंशनर्स की चिंता बढ़ा दी है। इसकी वजह यह है कि ऑस्ट्रेलिया के कई पेंशन फंड्स ने अडाणी समूह की कंपनियों में करोड़ों डॉलर का निवेश किया है। अमेरिका की शॉर्ट सेलिंग फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च ने 24 जनवरी को अडाणी समूह के खिलाफ एक रिपोर्ट जारी की थी। हालांकि अडाणी समूह ने इस रिपोर्ट को पूरी तरह से खारिज कर दिया है, लेकिन इससे अडाणी ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट दर्ज की गई है। बताया जाता है कि ऑस्ट्रेलिया के कई रिटायर्ड सेविंग्स फंड्स ने अडाणी ग्रुप की कंपनियों में निवेश किया है। इसमें क्वींसलैंड के सरकारी कर्मचारियों और कॉमनवेल्थ बैंक (सीबीए) के कर्मचारियों के पेंशन से जुड़े फंड्स भी शामिल हैं। 243 अरब डॉलर का फ्यूचर फंड ने भी अड़ाणी समूह में निवेश किया है। इसे देश के लॉन्ग टर्म फाइनेंशियल पोजीशन को मजबूत करने के लिए बनाया गया था। इस फंड का अडाणी ग्रुप की दो कंपनियों में निवेश है। अब इनकी कीमत ओरिजिनल इनवेस्टमेंट के मुकाबले कहीं कम हो गई है। इसी तरह ब्रिसबेन के द आस्ट्रेलियन रिटायरमेंट ट्रस्ट का अडाणी ग्रुप की छह कंपनियों में भारी निवेश है। अडाणी ग्रुप के ऑस्ट्रेलिया में भी दो प्रोजेक्ट हैं। इनमें कारमिचल कोलमाइन और क्वींसलैंड में एक रेल प्रोजेक्ट शामिल है। अडाणी ग्रुप की कंपनियों में दुनियाभर के कई अमीरों का निवेश है। लेकिन अडाणी ग्रुप की कंपनियों में अचानक शुरू हुई बिकवाली से इन लोगों का निवेश खतरे में पड़ गया है। इनमें मलेशिया के सबसे अमीर शख्स, शिपिंग इंडस्ट्री से जुड़े एक टायकून और दुनिया के दो सबसे अमीर परिवार भी शामिल हैं। डेटा सेंटर सर्विसिंग, पैकेज्ड फूड से लेकर पोर्ट मैनेजमेंट तक में इन लोगों ने अडानी ग्रुप के साथ पार्टनरशिप की है। सितंबर 2022 में इसका मार्केट कैप 22.25 लाख करोड़ यानी करीब 260 अरब डॉलर पहुंच गया था। लेकिन अब यह 100 अरब डॉलर से भी कम रह गया है। मलेशिया के सबसे अमीर शख्स और हांगकांग निवासी राबर्ट कोक अडाणी के सबसे पुराने पार्टनर्स में से एक हैं। उनकी कंपनी विल्मर इंटरनेशनल की अडानी विल्मर में आधी हिस्सेदारी है। इसी तरह अमेरिका की दिग्गज रिटेल कंपनी वॉलमार्ट का भी अडाणी ग्रुप की कंपनियों में निवेश है। इसी तरह दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी कंटेनर शिपिंग कंपनी सीएमए सीजीएम ने अडाणी ग्रुप के साथ 2017 में 15 साल के लिए एक डील की थी।

देशों के साथ स्थानीय मुद्रा में कारोबार

नई दिल्ली । भारत सरकार जल्द ही 3 देशों के साथ स्थानीय मुद्रा मैं अंतर्राष्ट्रीय कारोबार करने के लिए समझौता कर सकती है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार अरब अमीरात (यूएई)मलेशिया और नाइजीरिया के साथ इस संबंध में चर्चा चल रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आयातकों और निर्यातकों के लिए लेनदेन की लागत कम करने और डालर पर निर्भरता खत्म करने के लिए, स्थानीय मुद्रा में कारोबार किए जाने का समझौता जल्द हो सकता है। भारत सरकार 3 देशों के साथ द्विपक्षीय कारोबार करने के लिए पिछले कई महीनों से इस मामले में चर्चाएं चल रही हैं। इसमें तीनों देशों ने रुचि दिखाई है। जल्द ही कोई समझौता हो सकता है।

एक माह में 85 फीसदी टूटे अडाणी समूह के तीन शेयर

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

अमेरिकी रिसर्च फर्म हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद से अडाणी समूह के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। अमेरिकी रिसर्च फर्म की रिपोर्ट 24 जनवरी 2023 को आई थी। हिंडनबर्ग ने कहा था कि अडाणी ग्रुप के सात स्टॉक करीब 85 फीसदी तक ओवरवैल्यूड हैं। इस रिपोर्ट के बाद अडाणी ग्रुप के शेयरों में धड़ाधड़ लोअर सर्किट लगने लगा था। अडाणी ग्रुप के सभी शेयर लाल निशान पर आ गए थे। अभी भी अडाणी ग्रुप के शेयरों में गिरावट जारी है। पिछले एक महीने में अडाणी ग्रुप के तीन शेयर 85 फीसदी तक गिर चुके हैं। यह उतनी ही गिरावट है जितना इनकी ओवरवैल्यूड होने की बात हिंडनबर्ग ने कही थी। अडाणी ग्रुप का एक और शेयर भी 79 फीसदी से ज्यादा गिर चुका है। अमेरिकी रिसर्च फर्म की रिपोर्ट आने के बाद से अडाणी टोटल गैस, अडाणी ग्रीन एनर्जी और अडाणी ट्रांसमिशन के शेयरों में भारी गिरावट दर्ज की गई है। पिछले एक महीने में ये स्टॉक 85 फीसदी से ज्यादा गिर चुके हैं। अडाणी समूह की सभी 10 कंपनियों के शेयरों की कीमतें लगातार गिरती जा रही हैं। 25 जनवरी से लगातार गिरते अडाणी टोटल गैस के शेयर 835 रुपये पर बंद हुए हैं। हिंडनबर्ग ने अपनी रिपोर्ट में आरोप लगाया था कि अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों की ओवरवैल्यू की गई है। 24 जनवरी से अडाणी टोटल गैस की मार्केट वैल्यू में 3.35 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आ चुकी है। यह 4.3 लाख करोड़ रुपये से, इसकी मार्केट कैप अब 1 लाख करोड़ रुपये से कम होकर 91,829 करोड़ रुपए हो गई है। बीएसई के आंकड़ों के मुताबिक, अडाणी ग्रीन का शेयर बुधवार को 539 रुपये पर बंद हुआ था। गुरुवार को यह गिरावट के साथ 512.10 रुपये के स्तर पर खुला है। शेयर में लोअर सर्किट देखा जा रहा है। अडाणी ग्रीन एनर्जी अब अपने 52-सप्ताह के हाई लेवल से 3,048 रुपये से 82 फीसदी नीचे है। इसके साथ ही, अडानी ट्रांसमिशन अपने 52-सप्ताह के उच्च स्तर से 81 फीसदी और 24 जनवरी के बंद से 71 फीसदी नीचे है। शेयर बाजार में गिरावट के बीच बुधवार को भी अडाणी ग्रुप के शेयरों को भारी नुकसान हुआ था। बीएसई पर अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 10.43 प्रतिशत टूटकर 1,404.85 रुपये पर बंद हुआ। अडाणी पोर्ट्स का शेयर 6.25 प्रतिशत, अडाणी पावर, अडाणी ट्रांसमिशन, अडाणी टोटल गैस यह सभी के शेयर पांच प्रतिशत नीचे आ गए थे। अडाणी ग्रीन एनर्जी में 4.99 प्रतिशत, अडाणी विल्मर में 4.99 प्रतिशत और अंबुजा सीमेंट्स में 4.92 प्रतिशत की गिरावट आई थी। एनडीटीवी 4.13 प्रतिशत और एसीसी 3.97 प्रतिशत नुकसान में रहा था। सुबह के कारोबार में समूह की कई कंपनियों के शेयर अपने निचले सर्किट पर पहुंच गये थे।

चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह में 15 फीसदी घटकर 36.75 अरब डॉलर रहा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह अप्रैल-दिसंबर में 15 प्रतिशत घटकर 36.75 अरब डॉलर रहा है। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के ताजा आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में एफडीआई प्रवाह 43.17 अरब डॉलर था। कुल एफडीआई प्रवाह आलोच्य अवधि में घटकर 55.27 अरब डॉलर रहा जो बीते वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में 60.4 अरब डॉलर था।

कुल एफडीआई प्रवाह में इक्विटी निवेश, कमाई को फिर से निवेश करना और अन्य पूंजी शामिल है। चालू वित्त वर्ष 2022-23 में अप्रैल-दिसंबर के दौरान 13 अरब डॉलर के एफडीआई के साथ सिंगापुर सबसे बड़ा निवेशक रहा। आंकड़ों के अनुसार, उसके बाद क्रमशः मॉरीशस (4.7 अरब डॉलर), अमेरिका (करीब पांच अरब डॉलर), संयुक्त अरब अमीरात (3.1 अरब डॉलर), नीदरलैंड (2.15 अरब डॉलर), जापान (1.4 अरब डॉलर) तथा साइप्रस (1.15 अरब डॉलर) का स्थान रहा। कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर क्षेत्र में चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में सबसे ज्यादा आठ अरब डॉलर का पूंजी प्रवाह हुआ। उसके बाद सेवा (6.6 अरब डॉलर), कारोबार (4.14 अरब डॉलर), रसायन (1.5 अरब डॉलर), वाहन उद्योग (1.27 अरब डॉलर) और निर्माण (बुनियादी ढांचा) गतिविधियों (1.22 अरब डॉलर) का स्थान रहा।

ब्रिटेन में ग्रासरी स्टोर्स ने सब्जियों की खरीद का तय किया कोटा, बाजार से अचानक गायब हुए टमाटर

लंदन ।

दक्षिणी यूरोप और उत्तरी अफ्रीका में फसलों की पैदावार कम होने के कारण ब्रिटेन सब्जियों, विशेष रूप से टमाटर की कमी का सामना कर रहा है। देश के सुपरमार्केट्स में सब्जियों की आपूर्ति बाधित होने के कारण ब्रिटेन के दो प्रमुख ग्रॉसर्स को ग्राहकों की खरीदारी सीमित करने के लिए बाधित होना पड़ा है। ब्रिटेन की तीसरी सबसे बड़ी ग्रॉसरी कंपनी एस्डा ने कहा कि उसने टमाटर, मिर्च, खीरा, लेट्यूस, सैलेड बैग, ब्रोकोली, फूलगोभी और रसभरी की खरीद के लिए एक अस्थायी 3 पैक की लिमिट लगा रही है। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा अन्य सुपरमार्केट की तरह हम दक्षिणी स्पेन और उत्तरी अफ्रीका में उगाए जाने वाले कुछ उत्पादों पर सोर्सिंग चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। ग्रॉसरी कंपनी मॉरिसन ने कहा कि उसने भी टमाटर, खीरे, सलाद और मिर्च की खरीद पर प्रति ग्राहक 2 आइटम की लिमिट लगाई है। सोशल मीडिया खाली फल और सब्जियों की अलमारियों की तस्वीरों से अटा पड़ा था, जिनमें टमाटर विशेष रूप से गायब थे। ब्रिटिश रिटेल कंसोर्टियम (बीआरसी), जो मार्केट लीडर टेस्को और नंबर 2 सेन्सबरी सहित सभी प्रमुख सुपरमार्केट का प्रतिनिधित्व करता है, ने कहा कि आपूर्ति का मुद्दा व्यापक है। दक्षिणी यूरोप और उत्तरी अफ्रीका में खराब मौसम ने कई फसलों की कटाई को बाधित किया है, जिससे सब्जियों की आपूर्ति बाधित हुई है। बीआरसी के अधिकारी एंड्र्यू ओपी ने कहा आपूर्ति में यह व्यवधान कुछ हफ्तों तक चलने की उम्मीद है। सुपरमार्केट्स आपूर्ति श्रृंखला के मुद्दों के प्रबंधन में निपुण हैं और यह सुनिश्चित करने के लिए किसानों के साथ काम कर रहे हैं कि ग्राहकों तक ताजा उपज पहुंच सके। ग्रॉसर्स ने कहा उच्च ऊर्जा लागत के कारण ब्रिटेन और नीदरलैंड में सर्दियों के मौसम में कम फसल उत्पादन से स्थिति खराब हो गई थी। बीआरसी के आंकड़ों के अनुसार, ब्रिटेन आमतौर पर दिसंबर से मार्च तक अपने टमाटर का 95 फीसदी और सलाद में इस्तेमाल होने वाली अन्य सब्जियों और फलों का 90 फीसदी आयात करता है। हालांकि गर्मियों में घरेलू उत्पादन मांग की पूर्ति के लिए पर्याप्त होता है। ब्रिटेन विशेष रूप से स्पेन पर निर्भर है, और काफी हद तक मोरक्को पर भी, जिसने इस महीने की शुरुआत में घरेलू कीमतों को कम करने और यूरोप में निर्यात को निर्बाध रखने के लिए पश्चिम अफ्रीकी देशों को टमाटर, प्याज और आलू के निर्यात पर रोक लगा दी थी।

साबूदाना तेज़ होने के पर्याप्त कारण हैं : गोपाल साबु

अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष में मिलेट्स का बाज़ार भी विस्तृत

इंदौर/सेलम।

पिछले तीन दिनों में साबूदाने के थोक दामों में जो चार-पांच सौ रुपए प्रति क्विंटल की तेजी आई है, वह अप्रत्याशित नहीं है। इसी प्रकार की या इससे मिलती जुलती तेज़ी आगे भी बनी रहने की संभावना है। ये कहना है साबु ट्रेड प्राइवेट लिमिटेड, सेलम के चेयरमेन गोपाल साबु का, जो सच्चामोती, सच्चासाबु एगमार्क साबूदाने के उत्पादक और विषय विशेषज्ञ हैं।

गोपाल साबु ने बताया कि महाशिवरात्रि में साबुदाने की अच्छी खपत हो जाने से स्टॉकिस्टस के पास स्टाक अपने न्यूनतम स्तर पर है वहीं दूसरी ओर उत्पादक केन्द्र सेलम में कंद की आवक कम हुई है, जिसके चलते साबुदाना उत्पादन कम हुआ है। आने वाले समय में होली, चैत्र नवरात्रि, सावन में एक महीना अधिक मास होने के कारण साबूदाना की अच्छी बिक्री की सम्भावना के चलते मांग में तेज़ी देखने को मिल रही है। एक गौर करने लायक बात यह भी है कि सेलम सागो सर्व सोसाइटी में भी तैयार स्टॉक गत वर्षों की तुलना में बहुत ही कम है।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार इस वर्ष हिन्द महासागर में एल्विनो तूफ़ान की सम्भावना के कारण मानसून खराब हो सकता है, यदि ऐसा हुआ तो कसावा कंद जिससे साबूदाना तैयार किया जाता है, उसकी आगामी फसल को नुकसान पहुंचेगा। श्री साबु का कहना है कि इस संभावना के चलते भी कंद के भावों में बढौतरी होने के मौके बनेंगे। साबु ने कुकरीजॉकी मिलेट्स के बारे में बताया कि अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष में फैली जागरूकता से मिलेट्स का बाज़ार काफी बढ़ा है और आगे भी बड़ी संभावनाएं हैं। साबु के कुकरीजॉकी ब्रांड में पाँच वैरायटी के विशेष गुणकारी पोषक मिलेट (भगर, कोदरा, झंगोरा, कंगनी और रागी) को लोगों ने दो दो दिन के अंतराल से बदल - बदल कर लगातार उपयोग करने पर सिर्फ पंद्रह दिन में ही अपने स्वास्थ्य में आश्चर्यजनक सुधार पाया।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शीघ्र शुरु होगी गांगुली पर बनने वाली बायोपिक की शूटिंग

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली पर बनने वाली बायोपिक की शूटिंग शीघ्र शुरु होने वाली है। इसमें गांगुली की भूमिका बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर निभा सकते हैं। अभी तक निर्माताओं ने इस बारें में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है पर अटकलें हैं कि रणबीर ही यह भूमिका करेंगे। फिल्म के लिए अभी बाकी कास्टिंग होनी है। यह भी कहा जा रहा है कि इस बायोपिक में पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी भी एक छोटी सी भूमिका निभा सकते हैं। इस फिल्म में मुख्य भूमिका के लिए केवल रणबीर से ही संपर्क किया गया था। गौरतलब है कि गांगुली की बायोपिक पर सभी क्रिकेट प्रशंसकों की नजरें रहेंगी। इसमें नेट वेस्ट सीरीज के फाइनल में उठे विवाद के साथ ही पत्नी डोना के साथ रिश्ते के अलावा ड्रेसिंग रूम की कई यादें सामने आयेंगी। गौरतलब है कि गांगुली की कप्तानी में भारतीय टीम 1983 के बाद पहली बार आईसीसी एकदिवसीय विश्व कप के फाइनल में पहुंची थी पर उसके यहां ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

अंडर21 महिला हॉकी लीग: एचआईएम अकादमी, स्पोर्ट्स हॉस्टल ओडिशा, एचएआर अकादमी ने मैच जीते

नई दिल्ली,

एचआईएम अकादमी, स्पोर्ट्स हॉस्टल ओडिशा और एचएआर अकादमी ने गुरुवार को यहां मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में खेलो इंडिया महिला हॉकी लीग (अंडर-21) के पहले चरण में अपने-अपने मैचों में जीत दर्ज की। दिन के पहले मैच में एचआईएम अकादमी ने असाधारण कौशल का प्रदर्शन करते हुए भाई भेलो हॉकी अकादमी को 7-1 से हराया। मानसी यादव ने एचआईएम एकेडमी (19, 21, 50 मिनट) में हैट्रिक बनाकर अपनी टीम को शानदार बढ़त दिलाई। अमीषा (12 मिनट), तन्नु सिंह (15 मिनट), सुमन (23 मिनट), और अल्का (60 मिनट) ने एक-एक गोल करके अपनी टीम को विरोधियों के खिलाफ जीत दिलाई। पूजा (16 मिनट) ने जवाब में भाई भेलो हॉकी अकादमी के लिए एकमात्र गोल किया, लेकिन यह व्यर्थ गया क्योंकि एचआईएम अकादमी ने तीन अंक हासिल लिए। दिन के दूसरे मैच में स्पोर्ट्स हॉस्टल ओडिशा ने घुमनहेरा राइजर एकेडमी से मुकाबला किया। कप्तान कमला सिंह (3, 9 मिनट) ने अपनी टीम को विरोधियों के खिलाफ मजबूत शुरुआत दी, जिससे उन्हें शुरुआती बढ़त लेने का मौका मिला। मुनमुनि दास (5, 40, 56 मिनट) ने गोलों की हैट्रिक बनाकर अपनी टीम को घुमनहेरा राइजर एकेडमी पर 5-0 से जीत दिलाई।कप्तान उषा (24, 60 मिनट) ने उनकी ओर से दोनों गोल दागे, जबकि उनकी ओर से मोनिका टिर्की (4 मिनट) ने एकमात्र गोल किया।

रोहित, विराट और धोनी कमाई में भी हैं सबसे आगे

मुम्बई ।

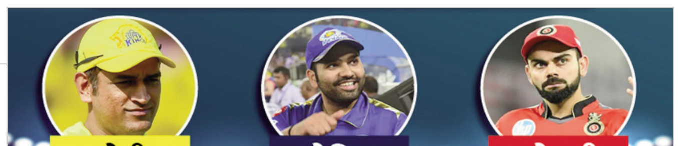

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के साथ ही पूर्व कप्तान विराट कोहली और महेन्द्र सिंह धोनी कमाई के मामले में भी अन्य खिलाड़ियों से कहीं आगे हैं। इन तीनों की ही फैन फॉलोइंग भी काफी ज्यादा है।

रोहित शर्मा : भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा की नेटवर्थ करीब 214 करोड़ रुपये है। रोहित का सालाना वेतन 16 करोड़ से ज्यादा है। रोहित की साल 2022 में नेटवर्थ करीब 195 करोड़ थी जबकि 2021 में यह 170 करोड़ थी। रोहित ने साल 2015 में 30 करोड़ में एक घर भी खरीदा था। वह विज्ञापन और निवेश से भी भारी कमाई करते हैं।

विराट कोहली : विराट सबसे अधिक कमाई करने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं। उनकी नेटवर्थ लगभग 1010 करोड़ है। विराट की हर माह की कमाई 4 करोड़ से ज्यादा है। उनकी फैन फॉलोइंग भी काफी अधिक है। विराट मैच फीस के साथ ही विज्ञापन , निवेश और सोशल मीडिया से भी मोटी कमाई करते हैं। विराट की सबसे ज्यादा कमाई विज्ञापन से आती है।

महेंद्र सिंह धोनी : भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की नेटवर्थ 1030 करोड़ के करीब है। धोनी हर महीने 4 करोड़ से ज्यादा की कमाई करते हैं। देश के सबसे सफल कप्तानों में शामिल धोनी ने साल 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। उनके देश ही नहीं विदेशों में भी काफी तादाद में प्रशंसक हैं। धोनी अब भी आईपीएल में खेल रहे हैं। इसके अलावा वह विज्ञापन से भी काफी कमाई करते हैं। उनका एक फॉर्म हाउस भी है जिसमें खेती होती है।

कतर ओपन: ज्वेरेव पर जीत के बाद मरे क्वॉर्टर फाइनल में पहुंचे

(एजेंसी)।

पूर्व विश्व नंबर 1 एंडी मरे ने तीन घंटे और तीन मिनट के कड़े मुकाबले के बाद अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 7-6 (5), 2-6, 7-5 से हराकर कतर ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।इस इवेंट में दो बार के विजेता मरे का टाई-ब्रेक में पहला सेट उतार-चढ़ाव वाला रहा। दूसरे सेट में उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन निर्णायक क्षण में उन्होंने एकमात्र ब्रेक अर्जित किया और बाद में जीत के लिए सफलतापूर्वक सर्विस की।एटीपी टूर वेबसाइट ने मरे के हवाले से कहा, खिलाड़ियों के लिए यह बहुत मायने रखता है कि जब हम कोर्ट पर आते हैं, तो प्रशंसको से काफी ऊर्जा और शानदार माहौल प्राप्त करते हैं। उम्मीद है कि यह सप्ताह के बाकी हिस्सों में जारी रहेगा, लेकिन मुझे स्पष्ट रूप से आज रात उस माहौल में खेलने में मजा आया। अंतिम सेट के टाई-ब्रेक में इतालवी लोरेंजो सोनेगो को हराने के लिए स्कॉट को पहले दौर में कड़ी मेहनत करनी पड़ी थी। वह अगले दौर में फ्रांस के क्वालीफायर एलेक्जेंडर मुलर से खेलेंगे, जिन्होंने आठवीं वरीयता प्राप्त बोटिक वैन डी जैंडस्चुल्प को 6-2, 6-4 से हराया। उन्होंने कहा, मेरे कोच आज रात मेरे खेल से थोड़ा और परिचित होने के लिए निश्चित रूप से वीडियो और अन्य चीजें देखेंगे, लेकिन यह मेरे लिए कल क्वार्टर में मौका है और इसके लिए तैयार होने का समय है।

हरमनप्रीत कौर को खरीदना मुंबई इंडियंस के लिए बड़ी उपलब्धि: आकाश चोपड़ा

(एजेंसी)

भारत के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि इस महीने की शुरुआत में खिलाड़ियों की नीलामी के दौरान मुंबई इंडियंस ने भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर को 1.8 करोड़ रुपये में खरीदा था, जो कि उनके लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा, मुंबई इंडियंस का मंत्र रहा है शीर्ष-गुणवत्ता वाले कप्तान में निवेश करना। जब हम पुरुषों की टीम को देखते हैं, तो उन्होंने हमेशा कप्तानों में निवेश किया है और जब वे रोहित शर्मा को लेकर आए, तो उनसे एमआई टीम का नेतृत्व करने की उम्मीद की गई थी और बाकी इतिहास है। उन्होंने कुछ शानदार अभियान चलाए और पांच आईपीएल खिताब जीते। जियोसिनेमा के दैनिक स्पोर्ट्स शो हैशटैग आकाशवाणी पर चोपड़ा ने कहा, इसी तरह, जब मैं महिला टीम को देखता हूं, तो वे उसी सिद्धांत का पालन करना चाहते हैं- वे सर्वश्रेष्ठ कप्तान चाहते हैं। महिला क्रिकेट में इस समय सबसे अच्छा कप्तान कौन है? ये हरमनप्रीत कौर हैं। अन्य खिलाड़ियों में भविष्य के अच्छे कप्तान बनने की क्षमता है, लेकिन इस समय हरमनप्रीत कौर हैं। आखिरकार उन्होंने उसे खरीद लिया, और मेरे अनुसार, यह एक बड़ी उपलब्धि थी। डब्ल्यूपीएल का पहला सीजन 4 से 26 मार्च तक मुंबई के ब्रेबोर्न स्टेडियम और डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेला जाएगा। मुंबई टूर्नामेंट में शुरुआत चार मार्च को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में गुजरात जायंट्स से करेगी। जियोसिनेमा के दैनिक स्पोर्ट्स शो हैशटैग आकाशवाणी पर चोपड़ा ने कहा, इसी तरह, जब मैं महिला टीम को देखता हूं, तो वे उसी सिद्धांत का पालन करना चाहते हैं- वे सर्वश्रेष्ठ कप्तान चाहते हैं। महिला क्रिकेट में इस समय सबसे अच्छा कप्तान कौन है? ये हरमनप्रीत कौर हैं। अन्य खिलाड़ियों में भविष्य के अच्छे कप्तान बनने की क्षमता है, लेकिन इस समय हरमनप्रीत कौर हैं। आखिरकार उन्होंने उसे खरीद लिया, और मेरे अनुसार, यह एक बड़ी उपलब्धि थी। उन्होंने कहा, यही एकमात्र चीज उनके खिलाफ जा रही है। दूसरी चीजें ठीक हैं। राधा यादव, राजेश्वरी गायकवाड़, देविका वैद्य और पूनम यादव भारतीय स्पिनरों में से हैं जो अब उपलब्ध हैं, लेकिन इस ग्रुप से कोई भी टीम में नहीं है। इसलिए शायद यहीं पर उनकी स्काउटिंग का परीक्षण किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

श्रीलंकाई बल्लेबाज गुणाथिलाका को सिडनी कोर्ट से मिली राहत

सिडनी । यहां की एक अदालत ने श्रीलंकाई क्रिकेटर दनुष्का गुणतिलका को यौन शोषण के मामले में राहत देने हुए उन्हें व्हाट्सएप का उपयोग करने की अनुमति दी गई है। इसके साथ ही कहा कि बलात्कार के आरोपों के लिए अलग-अलग जमानत होने के बाद वह रात में बाहर जा सकते हैं। गुणतिलका पर पिछले साल नवंबर में सिडनी में यौन शोषण का आरोप लगा था। इस क्रिकेटर पर सहमति के बिना यौन संबंध बनाने के 4 आरोप लगे हैं। डेटिंग ऐप टिंडर पर मैच के बाद उसने 29 वर्षीय एक महिला के साथ कथित तौर पर संबंध बनाये थे। डेट के लिए मिलने के दौरान यह क्रिकेटर महिला के घर गया था। महिला ने आरोप लगाया कि क्रिकेटर ने गर्भनिरोधक के उपयोग से इनकार कर दिया और उसका तीन बार गला दबाया। गौरतलब है कि गुणतिलका को नवंबर 2022 में ही एक मजिस्ट्रेट ने जमानत दे दी थी। क्रिकेटर को पर टिंडर और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग करने से प्रतिबंधित कर दिया गया था, क्योंकि वह आपराधिक आरोपों का सामना कर रहा था। 23 फरवरी को सिडनी के डाउनिंग सेंटर लोकल कोर्ट में अपनी जमानत को बदलने के लिए उनके आवेदन के बाद गुणतिलका के खिलाफ कर्फ्यू हटा लिया गया था। क्राउन ने अपनी जमानत को अलग करने की अनुमति दी ताकि वह एक बार फिर से व्हाट्सएप का उपयोग कर सकें।

शोएब अख्तर इंजेक्शन लेकर खेलते थे : शाहिद अफरीदी

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने कहा है कि तेज गेंदबाज शोएब अख्तर इंजेक्शन लेते थे और आजकल उनकी हालत ऐसी है कि वह चल भी नहीं पा रहे हैं। हाल में पाकिस्तान टीम के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी चोटिल की वजह से जब टी20 विश्व कप से बाहर हुए थे तो शोएब अख्तर ने कहा था कि शाहीन को दर्द निवारक दवा लेकर फाइनल मुकाबला खेलना चाहिए था पर शाहीन ने आराम लेने का फैसला लिया था और अब वह दोबारा फिट हो कर पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में खेल रहे हैं। वहीं शाहिद अफरीदी से अख्तर की टिप्पणियों के बारे में पूछा गया तो शाहिद ने खुलासा किया है कि शोएब आम तौर पर क्रिकेट खेलने के दौरान इंजेक्शन लेते थे और और उसी का परिणाम है कि अब वह चल भी नहीं पाते हैं। उन्होंने आगे कहा, देखिए, यह अख्तर की क्लास है। वह ऐसा कर सकते हैं हालांकि यह मुश्किल है। हर कोई शोएब अख्तर नहीं हो सकता। अगर आप इंजेक्शन और दर्दनिवारक दवाएं लेते हैं तो चोट के साथ खेलना मुश्किल है क्योंकि तब, आप चोट को और अधिक गंभीर होने का खतरा उठाते हैं। वैसे भी, शोएब अख्तर को अकेला छोड़ दें।

ओलंपिक संघ अब पूर्व खिलाड़ियों का भी चिकित्सा बीमा करायेगा

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) अब वर्तमान के साथ ही पूर्व खिलाड़ियों को भी चिकित्सा बीमा की सुविधा देगा। आईओए ने ओलंपिक भवन में हुई अपनी कार्यकारी समिति की बैठक में संभावित पदक विजेता खिलाड़ियों को चिकित्सा बीमा कवर प्रदान करने की घोषणा की है। आईओए ने अपने फैसले में कहा,'' कार्यकारी समिति ने फैसला किया है कि आईओए देश का गौरव बढ़ाने वाले खिलाड़ियों को चिकित्सा बीमा देगा।'' साथ ही कहा कि पूर्व खिलाड़ियों की तरह ही वर्तमान के उन खिलाड़ियों को भी यह सुविधा दी जाएगी जो अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और जिनके पदक जीतने की संभावना है। यह फैसला इसलिए किया गया है क्योंकि कई पूर्व खिलाड़ी आर्थिक संकट के कारण अपना इलाज नहीं करा पा रहे हैं।

अब एकदिवसीय सीरीज में भी राहुल की जगह खतरे में पड़ी

नई दिल्ली । टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल अभी कठिन दौर से गुजर रहे हैं। टेस्ट टीम में जहां उन्हें उपकप्तानी से हटा दिया गया है। वहीं उनकी जगह भी खतरे में पड़ गयी है। बचे हुए दो मैचों में अगर वह विफल होते हैं तो उनका टीम से बाहर होना तय है। टेस्ट के बाद होने वाली एकदिवसीय सीरीज में भी उन्हें जगह मिलना अब मुश्किल नजर आ रहा है। एकदिवसीय के लिए टीम में ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की वापसी से किसी एक खिलाड़ी को बाहर होना पड़ेगा। ऐसे में गाज राहुल पर गिर सकती है। विकेटकीपर के तौर पर युवा ईशान किशन को अवसर मिल सकता है। राहुल ने श्रीलंका के खिलाफ अंतिम एकदिवसीय सीरीज नहीं खेली थी। इसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से भी वह निजी कारणों से बाहर थे। इस दौरान ईशान ने विकेटकीपर की भूमिका निभाई। राहुल एकदिवसीय की अपनी पिछली अंतिम पांच पारियों में भी रन नहीं बना पाये थे और केवल एक अर्धशतक भी लगा पाये। वहीं दूसरी ओर युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने पिछले कुछ समय के अंदर शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड के खिलाफ दोहरा शतक लगाया था। ऐसे में उनका खेलना तय है। वे इस समय अच्छे फॉर्म में भी चल रहे हैं। वहीं अनुभवी जडेजा ने सर्जरी के बाद वापसी करते हुए शानदार प्रदर्शन कर अपने को साबित किया है। ऐसे में उनकी वापसी से राहुल की जगह खतरे में पड़ गयी है। भारतीय एकदिवसीय टीम पहले मैच में रोहित शर्मा के नहीं खेलने के कारण हार्दिक पंड्या की कप्तानी में उतरेगी पर जिस प्रकार का फार्म राहुल का है उसमें उनके दोस्त पंड्या कप्तान होने के बाद भी उनकी सहायता नहीं कर पायेंगे।

कपिल ने रोहित की फिटनेस पर उठाये सवाल

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने टीम के कप्तान रोहित शर्मा की जमकर प्रशंसा की है। रोहित ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में अब तक शानदार प्रदर्शन करते हुए 183 रन बनाये हैं। इसमें एक शतक भी शामिल है। इसके अलावा बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में रोहित ने अपने कप्तानी कौशल को दिखाते हुए अपने सटीक फैसलों से मैच में विरोधी टीम को पस्त कर दिया। इससे भारतीय टीम को सीरीज में 2-0 की बढ़त मिल गयी है। कपिल ने हालांकि कहा कि रोहित को अपनी फिटनेस का ध्यान रखना चाहिये क्योंकि वह टीवी पर मोटे नजर आ रहे हैं। उनका कहना है कि रोहित को वजन कम करना चाहिये। रोहित की फिटनेस पर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। कई बार प्रशंसकों ने भी उनके बढ़ते वजन पर सवाल उठाये थे। कपिल ने कहा, फिट होना बहुत अहम है। एक कप्तान के लिए फिट रहना और भी बहुत जरूरी। यदि आप फिट नहीं हैं तो यह अच्छा नहीं होता। रोहित को इसके लिए थोड़ी मेहनत करने की जरूरत है। वह एक महान बल्लेबाज है पर जब आप उसकी फिटनेस की बात करते हैं, तो वह मोटे नजर आते हैं। हां, जब आप किसी को टीवी पर देखते हैं और फिर वास्तविक जीवन में यह अलग होता है। कपिल ने आगे कहा कि रोहित एक महान खिलाड़ी हैं, लेकिन हम जब विराट को देखते है तो लगता है कि यह असली फिटनेस है और रोहित को भी उनकी तरह ही फिट होने की जरूरत है। उन्होंने कहा, लेकिन, मैं जो भी देखता हूं, रोहित एक महान खिलाड़ी और एक महान कप्तान हैं, लेकिन उन्हें फिट होने की जरूरत है। विराट को देखो, जब भी आप उसे देखते हैं, तो आप कहते हैं, यह कुछ फिटनेस है।

सनराइजर्स हैदराबाद के नये कप्तान बने मार्करम

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 16 वें सत्र के लिए सनराइजर्स हैदराबाद ने दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज एडन मार्करम को कप्तान बनाया है। मार्करम अब 31 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल सत्र में टीम की कप्तानी करते नजर आयेंगे। सनराइजर्स ने ट्वीट करके अपने नए कप्तान की घोषणा की है। दक्षिण अफ्रीका 20 लीग के पहले सत्र में सनराइजर्स ईस्टर्न केप मार्कराम के नेतृत्व में में जीती थी। सनराइजर्स ने आईपीएल 16 के लिए मिनी नीलामी से पहले ही नियमित कप्तान केन विलियमसन को रिलीज कर दिया था। जिसके बाद से ही मार्करम के अलावा मयंक अग्रवाल और भुवनेश्वर कुमार भी कप्तान के दावेदार के तौर पर उभरे थे। फ्रेंचाइजी ने हालांकि मार्कराम को कमान सौंपी है। मार्करम ने जिस प्रकार सनराइजर्स की फ्रेंचाइजी ईस्टर्न कैप को पहले ही सत्र में विजेता बनाया है उससे उनकी मांग बढ़ी है। एसए 20 टूर्नामेंट में मार्करम ने ऑलराउंड प्रदर्शन किया था। उन्होंने टीम की ओर से 336 रन बनाने के साथ ही 11 विकेट भी लिए थे। इस दौरान उन्होंने सेमीफाइनल में एक शतक भी लगाया। मार्करम के आईपीएल करियर की बात करें तो उन्होंने दो सत्र आईपीएल में खेले हैं। आईपीएल 2021 में उन्होंने 6 मैचों में 146 रन बनाए थे। वहीं आईपीएल 2022 में उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया और 14 मैचों में 381 रन बनाए।

एकदिवसीय सीरीज के लिए मैक्सवेल और मार्श की ऑस्ट्रेलियाई टीम में वापसी

सिडनी ।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल और बल्लेबाज मिचेल मार्श को भारत के खिलाफ 17 मार्च से शुरु होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में शामिल किया है। इस साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए यह सीरीज बेहद अहम मानी जा रही है।

एकदिवसीय टीम में सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को भी जगह मिली है। वार्नर दूसरे टेस्ट के दौरान चोटिल हो गये थे पर उनके एकदिवसीय सीरीज तक फिट होने की उम्मीद है।

इसके अलावा एश्टन एगर और पैट कमिंस को भी टीम में शामिल किया गया है। एगर को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने घरेलू मैच खेलने के लिए टेस्ट दल से रिलीज कर दिया था जबकि कमिंस भी निजी कारणों की वजह से स्वदेश लौट गए थे। मार्श टखने में चोट और ग्लेन मैक्सवेल पैर में चोट की वजह से टेस्ट सीरीज से बाहर थे।

दोनों ने ही पिछले दिनों सर्जरी कराई थी जिसके बाद से ही ये दोनों खिलाड़ी अब पूरी तरह से फिट हैं और मुंबई, विशाखापत्तनम और चेन्नई में खेलने के लिए तैयार हैं। सीरीज का पहला एकदिवसीय मैच 17 मार्च को मुंबई में खेला जाएगा जबकि दूसरा एकदिवसीय 19 मार्च को विशाखापत्तनम में होगा। वहीं तीसरा और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच 22 मार्च को चेन्नई में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम इस प्रकार है। पैट कमिंस (कप्तान), सीन एबट, एश्टन एगर, एलेक्स कैरी, कैमरन ग्रीन, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, मार्नस लैबुशेन, मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, झाए रिचर्डसन, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, डेविड वॉर्नर और एडम जांपा।

) ब्रिटेन में इंग्लैंड की महिला टीम बेल्जियम पर जीत के बाद ट्रॉफी उठाकर जश्न मनाती हुईं।

नजरंदाज न करें हल्का बुखार

मामूली बुखार, हड्डी तोड़ बुखार, ऐसा तेज बुखार कि जैसा कभी हमें जिंदगी में हुआ ही नहीं, हल्का बुखार, मियादी बुखार आदि कई तरह से आप इसे अपने चिकित्स से बताते हैं। बुखार को लेकर इतनी तरह की गलतफहमियां हैं और चिकित्सा विज्ञान की सीमाएं हैं कि इस मामूली-सी प्रतीत होती बीमारी के इन पक्षों को जानना जरूरी हो जाता है।

पहली बात तो यह कि कोई भी, कितना भी कम बुखार हो वह कभी भी मामूली नहीं होता। हर बुखार इस बात की घोषणा है कि शरीर में कुछ ऐसा गलत हो रहा है जिससे लड़ने के लिए शरीर के अपने हथियारों को चलाना शुरू कर देता है जिसका कारण यह गर्मी पैदा हो रही होती है। बल्कि हल्के बुखार कई मायनों में ज्यादा खतरनाक होते हैं।

अन्य बीमारियों का भी लक्षण

हल्का बुखार गठिया से लेकर साइकोलोसिक फीवर तक कुछ भी हो सकता है। हो सकता है कि आप किसी पक्ष की जांच न कराएं और दो माह बाद पता चले कि हड्डी में टीबी थी या आंतों में कैंसर था, जो आपने तब सोचा या देखा ही नहीं। कहना यह है कि हल्के बुखार को कभी भी हल्के में न लें। हमेशा किसी अच्छे डॉक्टर से इसकी सलाह लें क्योंकि मामूली बुखारों की डायग्नोसिस के लिए गैरमामूली डॉक्टर ही चाहिए जो इस जटिल चीज को समझता हो।

कोल्ड स्पॉन्जिंग की प्रक्रिया

तेज बुखार हो तो डॉक्टर कहते हैं कि मरीज की कोल्ड स्पोन्जिंग कीजिए। कहते हैं पर बताते नहीं कि कैसे कीजिए? प्राय: वे नर्स को कह देते हैं और नर्स आपसे कह देती है कि ठंडे पानी की पट्टियां रखिए। बस कहां रखिए, कैसे रखिए यह बताने का समय किसी के भी पास नहीं। आप दिन भर लगे रहते हैं और बुखार नहीं उतरता। कारण यह कि कोल्ड स्पोंजिंग के कुछ सामान्य सिद्धांत हैं। एक तो यह कि इसे बर्फ के पानी से न करें। बर्फीला ठंडा पानी चमड़ी की खून की नलियों को उल्टा सिकोड़ ही देता है जिससे शरीर और ठंडे कपड़े के बीच तापमान का आदान–प्रदान नहीं हो पाता और बुखार उतनी तेजी से नहीं उतर पाता।

पट्टी रखने की प्रक्रिया

नल में आ रहे सामान्य ताप वाले पानी या घड़े में भरे पानी को लें, दूसरी बड़ी बात यह करें कि गीले कपड़े को बढ़िया निचोड़कर और गले पर, कांखों में, पेट पर तथा जांघ के संधि स्थल (हिप ज्वायंट के पास) रखते जाएं और हर बीस–पच्चीस सेकंड में बदलकर नया गीला कपड़ा लगाएं। गर्दन, कांख, जंघा तथा पेट से खून की बहुत बड़ी नलियां एकदम चमड़ी के पास से गुजर रही होती हैं। इनमें बुखार से तपता हुआ गर्म खून बह रहा है जिसे ठंडक मिलेगी तो बुखार फटाफट कम होगा।

तापमान का बनाएं चार्ट

होने वाले बुखार को गंभीरता से लें क्योंकि बुखार यदि गंभीर हो गया तो लेने के देने पड़ सकते हैं। इससे भी पूर्व बेहतर सलाह होगी कि बुखार लगे तो थर्मामीटर से नापकर कागज पर रिकार्ड बनाते रहें। डॉक्टर को इससे बड़ी मदद मिलेगी। अलग–अलग समय पर तापमान अंकित करें। बहुत से मरीज कहते हैं कि हमारा हड्डी का बुखार है, या अंदरूनी बुखार है जो रहता तो है पर किसी भी थर्मामीटर में नहीं आ पाता। ऐसा कोई बुखार नहीं होता जो थर्मामीटर के पारे को नहीं चढ़ाता।

शाम को बढ़ सकता है शरीर का तापमान

जान पहचान के एक व्यक्ति को टायफायड तो ठीक हो गया परंतु रोज शाम होते–होते 99.8 डिग्री चढ़ जाता था। आस पास जो देखने जाता वह कहता अरे आपका टायफायड फिर बिगड़ गया है। मैंने सलाह दी कि यह नार्मल वेरिएशन है, समझदार थे मान गए तो सामान्यत: शाम को हमारा तापमान 99.9 तक भी हो जाए तो इसे बुखार न मानें। बस एक बार चिकित्सक को तय करने का मौका दें। शेष शरीर पर रखी पट्टियां इतनी जल्दी न बदलें क्योंकि हाथ–पांव की चमड़ी की पतली रक्त नलियों में खून ठंडा होने में समय लेगा। हां, माथे तथा सिर पर बर्फ की थैली (आइस कैप) रखना चाहिए क्योंकि खोपड़ी की हड्डियों का तापमान इतनी आसानी से कम न होगा।

खुद न बनें डॉक्टर

एक और आखिरी बात स्वयं इलाज न लें। बुखार एक ऐसी बीमारी है जिसका सबसे ज्यादा सेल्फ ट्रीटमेंट होता है। याद रखें कि हर ठंड के साथ कंपकंपी देने वाला बुखार मलेरिया नहीं होता, न ही वही एंटीबायटिक इस बार भी काम करेगी जो कभी पिछले बुखार में आपको दी गई थी। बुखार होने पर डॉक्टर की बताई दवाएं ही लें और उतने दिनों तक लें जितने दिनों तक बताया जाए।

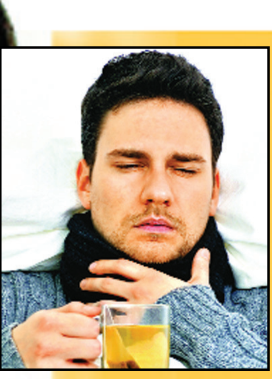

कई अन्य कारण

बुखार जैसा लगने के पचासों और भी कारण हो सकते हैं। उनका इलाज भी कुछ अलग ही होगा। आप बुखार कहते हो और लापरवाह चिकित्सक बुखार की कोई दवाई आपको दे देता है। तो पहले यह तय कर लें कि बुखार है भी या नहीं? नापें जब लगे तब नापें आपको यह सलाह नहीं दी जा रही कि जेब में थर्मामीटर लेकर घूमें और जब–तब मुंह में रखते फिरें, पर रिकॉर्ड जरूर करें। बुखार रिकॉर्ड न हो तो डॉक्टर को यही कहें कि मुझे बुखार सा लगता है पर होता नहीं इस तरह की स्थिति एनीमिया, थकान, तनाव से लेकर अन्य बहुत सी गंभीर बीमारियों में भी हो सकती हैं। और नापने में भी याद रखें कि आदमी के नार्मल टेंपरेचर में भी बहुत–से नार्मल उतार–चढ़ाव हो सकते हैं।

विशेषज्ञ की सलाह ही सही

थोड़ा–थोड़ा बुखार हो रहा हो तो कई बार आदमी लंबे समय तक इसकी परवाह ही नहीं करता और बाद में बीमारी बढ़ाकर डॉक्टर के पास पहुंचता है। दूसरा यह कि वे हल्के–हल्के निन्यानवे–सौ वाले, कभी–कभी आने वाले बुखारों की जड़ में बेहद खतरनाक, जानलेवा होने की हद तक खतरनाक कारण भी हो सकते हैं। टीबी, एड्स, कई तरह के कैंसर, आंतों की बीमारियां, यहां–वहां पनपती पस (मवाद) आदि किसी के कारण भी ऐसा हो सकता है। प्राय: यह हल्का बुखार विभिन्न तरह की जांचों में आपके खासे पैसे लगवा सकता है। हो सकता है कि तब भी डॉक्टर किसी ठीक नतीजे पर न पहुंच पाए और आप डॉक्टरों की जमात को ही बेकार कहते फिरें कि यहां–वहां से कट लेने के लिए ऐसा करते रहते हैं।

सिरदर्द को न करें नजरंदाज

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में सभी लोगों को सिर-दर्द की परेशानी होती है, मगर ज्यादातर लोग इस पर ध्यान ही नहीं देते हैं या फिर इसका उचित इलाज नहीं करवाते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक रिपोर्ट के मुताबिक, सिर–दर्द की परेशानी सभी को होती है, यह बहुत आम है और इसका उचित इलाज भी है। रिपोर्ट के अनुसार, इसके बावजूद पूरी दुनिया में इसकी कम पहचान हो पाती है और इसका इलाज भी बहुत कम होता है। इसके अनुसार, अपने तरह के इस पहले अंतरराष्ट्रीय सर्वे में यह बात सामने आई है कि लोग इस बड़ी परेशानी को नजरअंदाज कर देते हैं। रिपोर्ट का कहना है कि दुनिया में आधे से ज्यादा वयस्कों ने हाल ही में एक या ज्यादा बार सिरदर्द की परेशानी महसूस की होगी।

काम होते हैं प्रभावित

विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि सिरदर्द के कारण उद्यम प्रभावित होने से होने वाला वितीय नुकसान बहुत बड़ा है। किशोरों से लेकर 50 साल की उम्र तक के लोगों में सिरदर्द एक आम समस्या है। इससे काम के घंटे प्रभावित होते हैं और उद्यम प्रभावित होता है। अकेले ब्रिटेन में रोज 2.5 करोड़ लोग हर साल सिरदर्द (माइग्रेन) के कारण स्कूल या दफ्तर नहीं जा पाते हैं।

क्या है अस्थि संक्रमण?

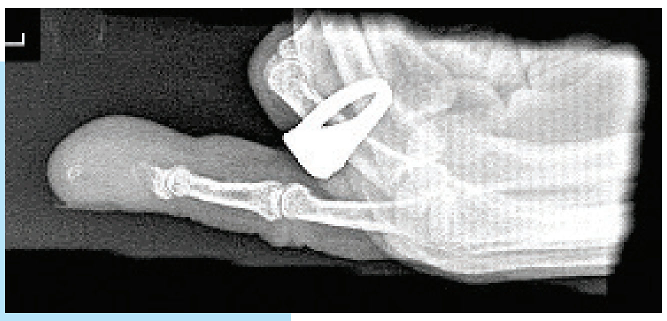

ऑस्टियोमाइलाइटिस हड्डी या अस्थि मज्जा का एक संक्रमण है, जो आमतौर पर पायोजेनिक बैक्टीरिया या माइकोबैक्टिरियम के कारण होता है। यह कारणात्मक जीव, इसके मार्ग, अवधि और संक्रमण के शारीरिक स्थान के आधार पर उपवर्गीकृत किया जा सकता है।

लक्षण

- अस्थि दर्द
- अस्थि सूजन
- बुखार
- मांसपेशियों में ऐंठन
- स्थानीय लालिमा
- स्थानीय गर्मी
- दर्द बढ़कर पास के जोड़ तक फैल जाता है।

प्रभावित हड्डी के आधार पर विशिष्ट लक्षण निर्भर करते हैं

- शाखा की हड्डी में दर्द
- टांग की हड्डी में दर्द
- श्रोणि की हड्डी में दर्द

स्पाइनल ऑस्टियोमाइलाइटिस के लक्षण

- हल्का बुखार
- रीढ़ की हड्डी में दर्द
- पीठ के दर्द का बिगड़ना
- पीठ के में दर्द आराम से राहत न होना
- सामान्य दर्द द्वारा पीठ दर्द में राहत न होना।
- पीठ का दर्द संचालन से बद्तर होना

चिरकालीन माइलाइटिस के लक्षण

- आवर्तक माइलाइटिस
- हड्डी का आवर्तक दर्द
- त्वचा से पूर्व का स्राव
- विद्रधि की पुनरावृत्ति
- रक्त के थक्के
- अस्थि ऊतक का परिगलन
- प्रभावित क्षेत्र में मवाद
- अस्थि सूजन

कारण

बच्चों में यह जीवाणु नाक या आंत के माध्यम से रक्त में प्रवेश करता है और हड्डी के भागों में बस जाता है, जो पहले से टूटी होती हैं या हड्डी के कुछ क्षतिग्रस्त हिस्सों में, जहां अच्छी रक्त की आपूर्ति हो। यह जीवाणु संवर्धन करता है और शरीर की प्रतिरक्षा के कारण मवाद बनता है। यह हड्डी को निगल लेता है, विद्रधि का रूप ले लेता है और जो हड्डी के माध्यम से फैलता है और अंतत: सतह तक आ जाता है। एक फ्रेक्चर के बाद, जीवाणु सीधे घाव में प्रवेश करते हैं और नंगे सिरों पर बस जाते हैं। वे फिर द्विगुणित होकर और मवाद बनता है और घाव के माध्यम से जो अंतत: स्राव बन कर निकलता है। कुछ लोगों में यह संक्रमण दूसरे अंग में शुरू हो सकता है, जैसे फेफड़े। यहां से यह रोगाणु रक्त के माध्यम से हड्डी में फैल सकता है। मधुमेह के रोगी को विशेष रूप से संक्रमण होने का खतरा रहता है। यदि एक अल्सर पैर की अंगुली या पैर पर विकसित होता है, यह कीटाणु का जल्दी ही अंतर्निहित हड्डी के माध्यम से घुसना असामान्य नहीं है। इस मामले में यह लक्षण बहुत साधारण सा हो सकता है, केवल कुछ सूजन देखी जा सकती है। कुछ बच्चों में विशेष रूप से नवजात में रक्त परीक्षण या एक अंत: शिरा ड्रिप फीड के बाद बैक्टीरिया खून में प्रवेश कर सकते हैं। अन्य बच्चों में जो रक्त के सिकल सेल जैसे रोग से ग्रसित होते हैं, इस बीमारी के परिणामस्वरूप हड्डी की क्षति होने से और अधिक संक्रमण हो जाता है। मधुमेह के साथ वयस्कों में संक्रमण का प्रतिरोध कमी, अल्प रक्त परिसंचरण और दर्द के अहसास की कमी अक्सर चिरकालीन घातक रोग विशेष रूप ऑस्टियोमाइलाइटिस का कारक होती है।

निदान

रोगी का इतिहास, शारीरिक परीक्षा और रक्त परीक्षण ऑस्टियोमाइलाइटिस की पुष्टि करने के लिए मदद मिलती है।

श्वेत रक्त कोशिकाओं की गिनती ल्यूकॉसाइटोसिस दर्शाती है।

एरिथ्रोसाइट सेडिमेंटेशन दर या सी–प्रतिक्रियाशील प्रोटीन आमतौर पर बढ़ा होता है, लेकिन अवशिष्ट गंभीर मामलों में भी बढ़ा हो सकता है।

घाव के कल्चर से जीवाणु के स्रोत का संकेत मिलता है। रक्त कल्चर से कारणात्मक जीवाणु को पहचानने में मदद हो सकती है।

मेगनेटिक अनुनाद इमेजिंग रीढ़ के संक्रमण का पता लगाने के लिए सबसे अच्छा उपाय है।

उपचार

ऑस्टियोमाइलाइटिस में अक्सर लंबे समय तक, एक सप्ताह या महीने एंटीबायोटिक चिकित्सा की आवश्यकता है। एक पीआईसीसी लाइन या सेंट्रल अन्त: शिरा कैथिटर अक्सर इस प्रयोजन के लिए लगाया जाता है। ऑस्टियोमाइलाइटिस में सर्जिकल डेब्रीडमेंट (क्षतिग्रस्त मृत या संक्रमित ऊतक के हटाने) की भी जरूरत हो सकती है, ताकि शेष स्वस्थ ऊतक की चिकित्सा की क्षमता में सुधार हो सके। गंभीर मामलों में एक अंग के हानि का कारण बन सकता है। प्रारंभिक पहली पंक्ति एंटीबायोटिक पसंद रोगी के इतिहास और क्षेत्रीय अंतर से सामान्य संक्रामक जीवाणु के आधार पर निर्धारित होता है। रिफ्रेक्टॉरी ऑस्टियोमाइलाइटिस के उपचार के लिए हॉपरबेरिक ऑक्सीजन थेरेपी उपयोगी सहायक होती है।

हड्डी के मृत द्वीपों को देखने के लिए कम्प्युटेड टॉमाग्राफी सबसे अच्छा साधन है। जब तक यह रोग हड्डी को प्रभावित करने तक, आम तौर पर 2 से 3 सप्ताह सक्रिय रहने तक हड्डी के एक्स–रे में नहीं देखा जा सकता है। स्कैन अस्थि संक्रमण का जल्दी पता लगा सकते हैं। निदान द्वारा पोलियोमाइलिटिस, आमवात का बुखार, मॉयोसाइटिस, और अस्थि भंग का सही निदान हो जाता है। ऑस्टियोमाइलाइटिस निदान के लिए हिस्टोपैथॉलॉजी और अन्वीक्षण परीक्षा स्वर्ण मानक है।

अकेलापन पुरुषों के लिए खतरनाक हो सकता है। एक अध्ययन से पता चला है कि जो पुरुष अकेले होते हैं, उन्हें दिल का रोग होने का खतरा ज्यादा होता है। इसलिए शोधकर्ताओं की सलाह है कि समाज में अन्य लोगों से मेल-जोल दिल के लिए अच्छा है।

अकेलेपन से दिल के रोग का खतरा

अध्ययन से पता चला कि जिन पुरुषों के दोस्त नहीं होते और परिवार से करीबी संबंध नहीं होते, उनके खून में एक विशेष अणु की मात्रा ज्यादा होती है।

ब्रिटेन में दिल के रोग के विशेषज्ञों का कहना है कि जो रोग सामाजिक तौर पर कटे हुए होते हैं, उनकी खेल–कूद में दिलचस्पी कम और सिगरेट पीने की संभावना ज्यादा होती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि ये दोनों ही कारण दिल के रोग के खतरे को बढ़ाते हैं।

यह शोध पूरे अमेरिका में 1998 से 2001 के बीच 62 वर्ष की औसत उम्र के 3267 पुरुषों और महिलाओं पर किया गया। जिसमें इनकी शादी, रिश्तेदारों और दोस्तों के साथ–साथ धार्मिक बैठकों इत्यादि में भाग लेने की जानकारी भी ली गई।

शोध में महिलाओं के दिल पर इस तरह का असर नहीं दिखा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिका, यूएई के कृषि नवोन्मेष अभियान से जुड़ा भारत : विदेश मंत्रालय

वाशिंगटन । जलवायु अनुरूप कृषि और खाद्य प्रणाली नवोन्मेष के लिए निवेश आकर्षित करने और समर्थन जुटाने के लिए काम करने वाले एक वैश्विक मंच से भारत भी जुड़ गया है। विदेश मंत्रालय ने यहां यह जानकारी दी। 'द एग्रीकल्चर इनोवेशन मिशन फॉर क्लाइमेट (एआईएमसी) की शुरुआत अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने नवंबर 2021 में की थी। विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव दम्मू रवि ने अबुधाबी में आयोजित आई2यू2 के बिजनेस फोरम से इतर एक पत्र पर हस्ताक्षर किए, जिसमें भारत की ओर से एआईएमसी में शामिल होने की इच्छा जताई गई है। बयान में कहा गया कि आज की घोषणा के साथ ही भारत 42 सरकारों समेत 275 से अधिक साझेदारों से जुड़ गया, जो निवेश को समर्थन देकर एआईएमसी के अभियान को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के 6 वरिष्ठ नेताओं सहित पार्टी के 60 से अधिक कार्यकर्ताओं गिरफ्तार

-पार्टी का दावा 500 कार्यकर्ता हिरासत में

इस्लामाबाद । मौलिक अधिकारों के उल्लंघन, संविधान के दुरूपयोग और आर्थिक संकट का आरोप लगाते हुए पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) द्वारा गिरफ्तारियां देने के आंदोलन शुरू करने के बाद छह वरिष्ठ नेताओं समेत पार्टी के 60 से अधिक कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया। हालांकि पार्टी ने दावा किया कि लाहौर पुलिस ने 500 से 700 तक कार्यकर्ताओं और नेताओं को हिरासत में लिया है। पंजाब पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, पुलिस ने पूर्व मंत्री शाह मोहम्मद कुरैशी, असद उमर, सीनेटर आजम स्वाति, वालिद इकबाल (कवि अलम्मा इकबाल के पोते) पंजाब के पूर्व गवर्नर उमर सरफराज चीमा सहित पीटीआई के 60 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया। उन्होंने कहा, उन्होंने खुद को गिरफ्तारी के लिए पेश किया था।'' उन्होंने कहा कि गिरफ्तार लोगों को जन व्यवस्था को बनाये रखने के लिए एक माह की खातिर कोट लखपत जेल में ले जाया गया। पीटीआई उपाध्यक्ष फवाद चौधरी ने कहा कि बड़ी संख्या में पार्टी नेता और कार्यकर्ता गिरफ्तारी के लिए सामने आए। चौधरी ने दावा किया कि पुलिस गाड़ियों के साथ तैयार होकर पहुंची थी लेकिन 'हजारों की तादाद देखकर पुलिस घबरा गई और विचार करने लगी कि उसे क्या करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पहले प्रदर्शन लाहौर तक सीमित था और गुरुवार को पेशावर में पार्टी नेता एवं कार्यकर्ता गिरफ्तारी देने वाले हैं। कुरैशी ने कहा कि यह गर्व की बात है कि वादे के मुताबिक गिरफ्तारी के लिए खुद को पेश करने वाले वह पहले व्यक्ति थे। उन्होंने कहा, '' यह आंदोलन तबतक चलेगा जबतक यह आयातित सरकार देश में अराजकता पर पूर्ण विराम नहीं लगा देती और उसे जनता की अदालत में पिछले दस महीने के लिए जवाबदेह नहीं ठहरा दिया जाता।'' जेल रोड पर बड़ी संख्या में पीटीआई कार्यकर्ता एवं नेता जुटे थे। उनमें से कुछ कार्यकर्ताओं ने खुद को कड़ी में बांध रखा था और कुछ ने अपने द्वारा बनायी गयी 'कृत्रिम जेल' में बंद कर रखा था। सरकार ने लाहौर में माल रोड समेत विभिन्न सड़कों पर धारा 144 लगा दी थी जिसके तहत पांच लोगों से अधिक के एकजुट पर पाबंदी थी। पहले पंजाब सरकार और संघ सरकार के मंत्री राणा सनाउल्लाह ने कहा था कि पुलिस धारा 144 का उल्लंघन करने को लेकर किसी भी पीटीआई कार्यकर्ता को गिरफ्तार नहीं करेगी। सनाउल्लाह ने कहा था, केवल उन्हीं पीटीआई नेताओं को गिरफ्तार किया जाएगा जो भ्रष्टाचार या किन्हीं अन्य आपराधिक मामलों में वांछित हैं।

अरकंसास में विमान दुर्घटना में पांच लोगों की मौत

वाशिंगटन । अमेरिका में अरकंसास के लिटिल रॉक औद्योगिक इलाके के बाहरी क्षेत्र में एक छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार एक पर्यावरण परामर्श कंपनी के पांच कर्मचारियों की मौत हो गई। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। विमान उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद यह दुर्घटनाग्रस्त हुआ। लेफ्टिनेंट कोडी बर्क ने बताया कि विमान बुधवार को 'बिल एंड हिलेरी क्लिंटन नेशनल एयरपोर्ट' के कई मील दक्षिण में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) ने बताया कि विमान में पांच लोग सवार थे। एफएए ने बताया कि दो इंजन वाले विमान बीच बीई20 ने लिटिल रॉक हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी और यह ओहायो के कोलंबस में 'जॉन ग्लेन कोलंबस इंटरनेशनल एयरपोर्ट' जाने वाला था। बर्क ने विमान में सवार यात्रियों के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं दी है। एफएए ने कहा कि वह और राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड मामले की जांच करेगा।

ब्रिटेन ने कंबोडिया को पुराना ज्वेलरी कलेक्शन लौटाया, क्या भारत लौटेगा कोहिनूर हीरा

-भारत में कोहिनूर वापस लाने की मांग उठती रहती

लंदन । ब्रिटेन ने कंबोडिया को पुराना ज्वेलरी कलेक्शन लौटा दिया है। करीब 700 साल पुराना ये ज्वेलरी कलेक्शन अंकोर वंश के शाही घराने का है। कंबोडियाई संस्कृति मंत्रालय ने बताया कि कंबोडिया से चुराए गए अंगकोरियन क्राउन ज्वैलरी के दर्जनों टुकड़े, जिन्हें जनता ने कभी नहीं देखा है, उन्हें वापस किया गया है। अब इस ज्वेलरी को राष्ट्रीय म्यूजियम में प्रदर्शनी के लिए रखा जाएगा। वहीं ब्रिटेन के इस कदम के बाद से अब कोहिनूर को लेकर फिर चर्चा तेज हुई है। कंबोडियाई मंत्रालय ने कहा कि उन्हें ब्रिटिश पुरावशेष व्यापारी डगलस लैचफोर्ड के परिवार से 77 टुकड़े मिले। संयुक्त राज्य अमेरिका में कला तस्करी के मुकदमे की प्रतीक्षा के दौरान लैचफोर्ड की 2020 में मृत्यु हो गई। उस समय उनपर अमेरिका में आर्ट ट्रैफिकिंग का मुकदमा चल रहा था। इसमें उनके परिवार ने चोरी किए गए कलेक्शन को कंबोडिया को लौटाने का वादा किया था। मंत्रालय ने कहा, संग्रह, जो शुक्रवार को कंबोडिया में सावधानी से पहुंचा, में मुकुट, हार, कंगन, बेल्ट, झुमके और ताबीज सहित पूर्व-अंगकोरियन और अंगकोरियन काल के सोने और अन्य कीमती धातु के टुकड़े शामिल हैं। दुनिया में हर चीज की एक कीमत होती है, लेकिन एक चीज ऐसी भी है जिसकी आज तक कोई कीमत लगा नहीं सका है। ये एक हीरा है जिसका नाम है कोहिनूर। लेकिन कोहिनूर से जुड़ी एक ऐसी ही अनसुनी कहानी है, जो शायद ही आपको पता है। जिस कोहिनूर को भारत की शान के तौर पर देखा जाता है। वहीं कोहिनूर ब्रिटेन के लिए शापित साबित हो रहा है। ये बात और है कि अंग्रेज हमसे हमारा कोहिनूर हीरा छीनकर ले गए लेकिन कोहिनूर कभी उनका हो नहीं पाया। ब्रिटेन के नए राजा बनने जा रहे किंग चार्ल्स-तृतीय की ताजपोशी के दौरान महारानी के ताज में कोहिनूर नहीं लगा होगा। किंग चार्ल्स-तृतीय की ताजपोशी के दौरान कैमिला पार्कर महारानी एलिजाबेथ का कोहिनूर जड़ा ताज नहीं पहनेंगी। बकिंगम पैलेस ने यह ऐलान किया है। ताजपोशी से करीब 3 महीने पहले शाही राज घराने ने ये फैसला लिया है। इतिहास में ऐसा पहली बार होगा जब ब्रिटेन की महारानी के ताज से कोहिनूर गायब होगा। मीडिया में कहा गया कि इसका मकसद है कि भारत से रिश्ते न बिगड़े। कहा जा रहा है कि शाही परिवार विवादों से दूर रहना चाह रहा है। क्योंकि ये बात किसी से छुपी नहीं है कि ये नायाब हीरा भारत की विरासत है। जिसकी वापसी को लेकर भारत की ओर से समय समय पर मांग होती रही है। कहा जाता है कि ये हीरा जिसके पास रहा उसका पतन ही हुआ। कोहिनूर फारसी भाषा का एक शब्द है जिसका मतलब होता है, रोशनी का पहाड़। कहते हैं कि कोहिनूर जहां भी गया वहां बर्बादी मचा दी। चाहे सुल्तानों की सल्तनत हो या राजाओं का राज। सब खत्म हो गया। लेकिन आखिर कोहिनूर की चमक का दीदार दुनिया को सबसे पहले कब हुआ। इस सवाल की खोज हमें महाभारत काल में ले जाती है। महार्षि व्यास के लिए लिखे महाकाव्य के 56वें स्कंद के 10वें अध्याय में एक अत्यंत तेज पुंज मणि का वर्णन है। सल्तनत काल, मुगल काल और अंग्रेजों की गुलामी के दौर में सत्ता, शासन, वैभव के साथ युद्ध और छल कपट का प्रतीक रहा कोहिनूर पौराणिक काल में भी स्यमंतक मणि के रूप में अनगिनत महत्वकांक्षाओं के केंद्र में रहा।

ब्रिटेन में रक्षा सचिव बेन वैलेस एक सैन्य शिविर में यूक्रेनी सैनिकों के साथ नजर आये।

रूस-यूक्रेन जंग में मास्को की सैन्य मदद कर सकता हैं बीजिंग : नाटो प्रमुख

-अमेरिका ने इस लेकर चीन को दी चेतावनी

वाशिंगटन । नाटो प्रमुख ने कहा है कि सैन्य गठबंधन को इसके ''कुछ संकेत'' मिले हैं, कि चीन यूक्रेन और रूस के बीच जारी युद्ध में मॉस्को की मदद करने की योजना बना सकता है। उन्होंने चीन से इसतरह के कार्यों से परहेज करने को कहा जो अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हों। नाटो महासचिव जेंस स्टोलटेनबर्ग ने कहा कि नाटो युद्ध का हिस्सा नहीं है, लेकिन वह यूक्रेन का समर्थन करेगा। यह पूछने पर कि क्या नाटो को कोई संकेत मिला है कि चीन रूस को हथियार या अन्य मदद देने की तैयारी कर सकता है, इसपर स्टोलटेनबर्ग ने कहा, ''हमें कुछ संकेत मिले हैं, कि वे संभवत- इसकी योजना बना सकते हैं और नाटो के सहयोगी जाहिर तौर पर अमेरिका ने इसके खिलाफ चेतावनी दी है, क्योंकि ऐसा नहीं होना चाहिए।

चीन को रूस के अवैध युद्ध का समर्थन नहीं करना चाहिए।'' स्टोलटेनबर्ग ने कहा कि सीधे तौर पर ऐसी कोई भी सहायता अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन होगी और ''निश्चित रूप से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्य चीन को किसी भी तरह से संयुक्त राष्ट्र चार्टर या अंतरराष्ट्रीय कानून के उल्लंघन का समर्थन नहीं करना चाहिए।'

पुतिन की सेना से लोहा लेकर यूक्रेनी सहित पूरी दुनिया में हीरो बने जेलेंस्की

- आज रूस-यूक्रेन जंग को पूरे एक साल

कीव (एजेंसी)। रुस के साथ लड़ाई चल रही हैं, मुझे गोला-बारूद चाहिए, सवारी नहीं। यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की की ओर से 24 फरवरी 2022 को यूक्रेन पर रूस के हमले शुरू होने के तुरंत बाद कीव से निकलने की अमेरिकियों की पेशकश के जवाब में कहे गए जेलेंस्की के इन शब्दों ने नायक के रूप में उनकी प्रतिष्ठा की नींव रखी। पिछले 12 माह में जेलेंस्?की की प्रतिष्ठा देश और विदेश दोनों में बदल गई है। 2019 में उनकी शानदार जीत के बावजूद, उनके चुनाव के बाद के वर्षों में यूक्रेन में व्यापक निराशा थी।

दिसंबर 2021 तक जनमत सर्वेक्षणों से साफ होता हैं कि केवल 27 प्रतिशत यूक्रेनियन लोगों ने उन पर भरोसा किया। लेकिन रूसी सैनिकों के द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद यूक्रेन और जेलेंस्की दोनों ने संघर्ष में अपने प्रदर्शन की पराकाष्ठा को पार कर लिया है। दिसंबर 2022 तक, यूक्रेनियन का अपने राष्ट्रपति पर भरोसा 84 प्रतिशत तक बढ़ गया था।

यूक्रेनियन सैनिकों और नागरिकों ने समान रूप से प्रदर्शित किया कि वे अपने देश की रक्षा करने के इच्छुक और सक्षम दोनों हैं। न केवल उन्होंने कीव पर शुरुआती हमले का विरोध किया, बल्कि पिछले साल फरवरी से रूस द्वारा कब्जा किए गए 54 प्रतिशत क्षेत्र को फिर से हासिल करने में भी कामयाब रहे। पूरे युद्ध के दौरान जेलेंस्की के व्यक्तिगत साहस और दृढ़ संकल्प के प्रदर्शन ने दुनिया भर में प्रशंसा हासिल की है। यहां तक कि अमेरिकी राष्ट्रपति भी कीव जाने और जेलेंस्की के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने के लिए हवाई हमले का जोखिम उठाने को तैयार हो गए।

नायकों और उनके बारे में बताने वाली कहानियों में समाजों को एक साथ आने और एक साथ रहने के लिए प्रेरित करने की क्षमता होती है, खासकर संकट के समय में। कुछ इसतरह के कार्य हैं जो आम तौर पर नायकों और वीरता से जुड़े होते हैं, विशेष रूप से किसी कारण या दूसरों के जीवन की रक्षा के लिए अपनी सुरक्षा और यहां तक कि अपने जीवन को जोखिम में डालने की इच्छा से जुड़े होते हैं। जेलेंस्की का कीव में बने रहने और अपने साथी नागरिकों के साथ युद्ध के खतरों को साझा करने का निर्णय अपने आप में उनकी वीर गाथा का एक महत्वपूर्ण घटक है। वीरता की एक अन्य विशेषता उन बाधाओं को दूर करने का दृढ़ संकल्प है जो मुश्किल या दुर्गम हो सकती हैं। एक आसान जीत में वीरता जैसा कुछ भी नहीं होता है।

टीटीपी से पाकिस्तान की सेना और सरकार दोनों परेशान, आईएसआई चीफ को साथ लिए शहबाज के मंत्री पहुंचे तालिबान के दरवाजे पर

कीव (एजेंसी) पैसे पैसे को मोहताज पाकिस्तान इन दिनों आतंक के साथ दोहरी मार झेल रहा है। पाकिस्तान की आर्थिक हालत इतनी खराब हो गई है कि मुल्क के वजूद पर ही खतरा मंडरा रहा है। आतंकवाद को पालने-पसोने वाले मुल्क के लिए अब उसका यही रवैया भारी पड़ रहा है। इसलिए अब आतंकवाद पर लगाम लगाने के लिए उसने तालिबान से मदद की गुहार लगाई है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ और बदनाम खुफिया एजेंसी आईएसआई के चीफ नदीम अंजुम के साथ अचानक से काबुल पहुंच गए हैं। बैठक का नेतृत्व काबुल में अफगानिस्तान के कार्यवाहक उप प्रधान मंत्री मुल्ला अब्दुल गनी बरादर ने किया। पाकिस्तान ने अफगान तालिबान पर अपने घरेलू इस्लामी समूह के आतंकवादियों को शरण देने का आरोप लगाया है, जिसका काबुल ने खंडन किया है। समाचार एजेंसी एएफपी के मुताबिक, अब्दुल गनी बरादर के कार्यालय ने एक बयान में कहा, 'उन्होंने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों, व्यापार, क्षेत्रीय संपर्क और आर्थिक सहयोग पर चर्चा की। रिपोर्ट के अनुसार तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रांत (आईएसकेपी) का जिक्र करते हुए क्षेत्र में आतंकवादी गतिविधियों के बढ़ते खतरे से संबंधित एक और बयान जारी किया। तालिबान द्वारा अफगानिस्तान पर नियंत्रण करने के बाद से, पाकिस्तान ने मुख्य रूप से सीमावर्ती क्षेत्रों में आतंकवादी हमलों में नाटकीय वृद्धि देखी है। पिछले शुक्रवार को टीटीपी के एक आत्मघाती दस्ते ने कराची में एक पुलिस परिसर पर हमला किया, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई।

सीमा विवाद को लेकर बीजिंग में भारत और चीनी अधिकारियों की कूटनीतिक वार्ता

- जी-20 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक दिल्ली में अगले सप्ताह

बीजिंग (एजेंसी)। एक सप्ताह बाद दिल्ली में जी-20 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक होने वाली है, इसमें चीनी विदेश मंत्री के भी भाग लेने की उम्मीद है। बैठक से ठीक पहले भारत और चीन के बीच गंभीर वार्ता हुई है। बता दें कि बीजिंग में हुई बैठक गलवान संघर्ष के बाद दोनों देशों के बीच हुई पहली ऐसी बैठक है, जोकि चीन में आयोजित हुई। यानि भारत-चीन के बीच लद्दाख में तनाव के बाद पहली बार दिल्ली से कोई राजनयिक चीन में वार्ता के लिए गया।

बता दें कि भारत और चीन ने बीजिंग में कूटनीतिक वार्ता की और पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर टकराव वाले शेष स्थानों से सैनिकों को पीछे हटाने के प्रस्तावों पर 'खुले एवं रचनात्मक तरीके से चर्चा की। लेकिन बैठक में कोई समाधान निकलने का संकेत नहीं मिला। भारतीय विदेश मंत्रालय ने बैठक के बारे में बयान जारी किया है उसके अनुसार, दोनों पक्षों ने बीजिंग में भारत-चीन सीमा विषय पर विचार विमर्श और समन्वय के कार्यकारी तंत्र (डब्ल्यूएमसीसी) की बैठक में इन प्रस्तावों पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों पक्षों ने वर्तमान समझौते और प्रोटोकॉल के तहत इस उद्देश्य को हासिल करने के लिये जल्द ही किसी तिथि पर 18वें चरण की वरिष्ठ सैन्य कमांडर स्तर की वार्ता आयोजित करने पर सहमति जाहिर की हैं। दूसरी ओर बीजिंग में, चीनी विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि दोनों पक्षों ने चीन-भारत सीमा मुद्दे पर शुरुआती चरण में हुई सकारात्मक प्रगति की समीक्षा की और गलवान घाटी और चार अन्य स्थानों पर दोनों देशों के सैनिकों को पीछे हटाने के नतीजों का समर्थन किया। चीनी विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि उन्होंने अगले चरण के परामर्श के लिए रुख पर विचारों का स्पष्ट रूप से और गहराई से आदान-प्रदान किया। उधर, नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने कहा, ''दोनों पक्षों ने पश्चिमी सेक्टर में भारत-चीन सीमा क्षेत्रों में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर स्थिति की समीक्षा की तथा (टकराव वाले) शेष स्थानों से सैनिकों को पीछे हटाने के प्रस्तावों पर खुले और रचनात्मक तरीके से चर्चा की, ताकि इस सेक्टर में एलएसी पर शांति एवं स्थिरता बहाल की जा सके और द्विपक्षीय संबंधों में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए माहौल बनाया जा सके।''

दक्षिण कोरिया की अदालत ने सुनाया ऐतिहासिक फैसला, समलैंगिक जोड़े के लिए कानूनी स्थिति को दी मान्यता

सियोल (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने ऐतिहासिक फैसले में समलैंगिक जोड़े के लिए कानूनी स्थिति को मान्यता दे दी। अदालत ने फैसला सुनाते हुए कहा कि समान-सेक्स जोड़े राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा सेवा के तहत विषमलैंगिक जोड़ों की तरह समान कवरेज के हकदार हैं। इसने दक्षिण कोरिया में समलैंगिक जोड़ों की पहली कानूनी मान्यता के तौर पर माना जा रहा है। सियोल उच्च न्यायालय के ऐतिहासिक फैसले ने जनवरी 2022 में एक निचली अदालत के पिछले आदेश को पलट दिया, जिसमें एक समलैंगिक जोड़े की याचिका को खारिज कर दिया गया था।

याचिका दायर करने वाले युगल सो सुंग-यूके और किम योंग-मिन ने अदालत के आदेश का स्वागत किया। उन्होंने कोरियन हेराल्ड से कहा कि वह कोर्ट के फैसले से खुश हैं। उन्होंने कहा, ÷मैं खुश हूं क्योंकि मुझे लगा जैसे न्यायाधीशों ने अदालत के फैसले के माध्यम से हमें बताया कि मेरे पति के लिए प्यार की भावनाएं अज्ञानता या अपमान का लक्ष्य नहीं होनी चाहिए। किम ने भी अपनी खुशी जाहिर की और कहा, 'कानूनी ढांचे के भीतर हमारी शादी की स्थिति को मान्यता देने में हमें इतना लंबा समय लगा।'

कोरिया हेराल्ड की एक रिपोर्ट के अनुसार सियोल उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश ने कहा कि निचली अदालत के फैसले को पलट दिया गया था और पति-पत्नी में से किसी एक पर लगाया गया बीमा अंशदान रद्द कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि बीमा सेवा को मामले में दोनों पक्षों के लिए लागत का भुगतान करना होगा। दक्षिण कोरियाई कानून के तहत, एक आश्रित को स्वास्थ्य बीमा भुगतान करने से छूट दी जाती है यदि उनके पति या पत्नी कुछ रोजगार शर्तों को पूरा करते हैं। निचली अदालत ने

याचिका को खारिज कर दिया क्योंकि उसने समान-लिंग वाले भागीदारों को पति-पत्नी के रूप में मान्यता नहीं दी। दक्षिण कोरिया में समलैंगिक विवाह अभी भी अवैध है।

इमरान खान की पार्टी के 'जेल भरो तहरीक' के दौरान 60 से अधिक कार्यकर्ता गिरफ्तार

इस्लामाबाद (एजेंसी)। मौलिक अधिकारों के उल्लंघन, संविधान के दुरूपयोग और आर्थिक संकट का आरोप लगाते हुए बुधवार को पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) द्वारा गिरफ्तारियां देने का आंदोलन शुरू किये जाने के बाद छह वरिष्ठ नेताओं समेत पार्टी के 60 से अधिक कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया। हालांकि पार्टी ने दावा किया कि लाहौर पुलिस ने 500 से 700 तक कार्यकर्ताओं और नेताओं को हिरासत में लिया है। पंजाब पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, '' पुलिस ने पूर्व मंत्री शाह मोहम्मद कुरैशी, असद उमर, सीनेटर आजम स्वाति, वालिद इकबाल (कवि अलम्मा इकबाल के पोते) पंजाब के पूर्व गवर्नर उमर सरफराज चीमा समेत पीटीआई के 60 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया।'' उन्होंने कहा, '' उन्होंने खुद को गिरफ्तारी के लिए पेश किया था।'' उन्होंने कहा कि गिरफ्तार लोगों को जन व्यवस्था को बनाये रखने के लिए एक माह की खातिर कोट लखपत जेल में ले जाया गया। पीटीआई उपाध्यक्ष फवाद चौधरी ने कहा कि बड़ी संख्या में पार्टी नेता और कार्यकर्ता गिरफ्तारी के लिए सामने आये। उन्होंने कहा, '' करीब 500-700 कार्यकर्ताओं ने गिरफ्तारी दी।'' चौधरी ने दावा किया कि पुलिस गाड़ियों के साथ तैयार होकर पहुंची थी लेकिन 'हजारों की तादाद देखकर वह घबरा गयी और विचार करने लगी कि उसे क्या करना चाहिए।' उन्होंने कहा कि बुधवार का प्रदर्शन लाहौर तक सीमित था और अबबृहस्पतिवार को पेशावर में पार्टी नेता एवं कार्यकर्ता गिरफ्तारी देंगे। कुरैशी ने कहा कि यह गर्व की बात है कि वादे के मुताबिक गिरफ्तारी के लिए खुद को पेश करने वाले वह पहले व्यक्ति थे।

मोदी हमें मिल जाएं और वो पूरे देश पर शासन करते रहें

- पाकिस्तान की एक यूट्यूब पत्रकार का वीडियो हो रहा वायरल

- पाक में लगाए जा रहे पाकिस्तान से जिंदा भागो चाहे इंडिया चले जाओ के नारे

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की एक यूट्यूब पत्रकार का वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वो एक पाकिस्तानी युवा से पाकिस्तान की हालिया स्थिति के बारे में पूछ रही हैं, जिस पर युवा काफी भड़क जाता है। इसके जवाब में उसने पाकिस्तान के शहबाज शरीफ को टारगेट कहते हुए कहा कि अगर पीएम नरेन्द्र मोदी पाकिस्तान के पीएम होते, तो हम भी अच्छी कीमत पर सामानों का व्यापार कर पाते। आपको बता दें कि महिला पत्रकार सना अमजद पाकिस्तानी मीडिया हाउस में भी काम कर चुकी हैं।

महिला पत्रकार सना अमजद ने युवा से यह पूछा था कि पाकिस्तान में पाकिस्तान से जिंदा भागो चाहे इंडिया चले जाओ के नारे क्यों लगाए जा रहे हैं। इसके जवाब में युवा ने कहा कि काश मैं पाकिस्तान में पैदा ही न हुआ होता या काश कि भारत और पाकिस्तान का बंटवारा ही न हुआ होता।

उस पाकिस्तानी युवा ने कहा कि काश पाकिस्तान और भारत का बंटवारा न हुआ होता, तो हमें 20 रुपये किलो टमाटर, 150 रुपये किलो चिकन और 50 रुपये लीटर पेट्रोल खरीद रहे होते। सभी चीजें एक सही कीमत पर मिल रही होती। ये दुर्भाग्य की बात है कि हम इस्लामिक देश में तो आ गए, लेकिन यहां इस्लाम की स्थापना नहीं कर पाए हैं।

पाकिस्तानी युवा ने कहा कि हमारे पास भी नरेन्द्र मोदी जैसे प्रधानमंत्री होते तो देश की ऐसी स्थिति नहीं होती। उन्होंने कहा कि मोदी बहुत ही बेहतरीन नेता है और उनका पूरा देश उनका समर्थन भी करता है। हमारे पास नरेन्द्र मोदी होते तो हमें नवाज शरीफ, बेनजीर, इमरान खान और यहां तक की जनरल परवेज मुशर्रफ की जरूरत ही नहीं पड़ती। हमें तो सिर्फ पीएम मोदी ही चाहिए, क्योंकि वो ही देश को ऐसी खराब स्थिति से बाहर निकाल सकते हैं। भारत आज विश्व के पांचवें सबसे बड़े अर्थव्यवस्था के रूप में जाना जाता है।

पाकिस्तानी युवा ने आगे कहा कि मैं मोदी के शासन में रहना चाहता हूं। मोदी एक महान व्यक्ति हैं, वो बिल्कुल बुरे इंसान नहीं हैं। सभी भारतीय आज बहुत ही आम कीमत पर टमाटर और चिकन खरीद रहे हैं। जब आप रात में अपने बच्चे का पेट भरे बिना उसे सुलाने को

© Sergei Bobylev/Sputnik/Kremlin Pool Photo/AP/picture alliance

मजबूर हो जाते हैं, तो ऐसी स्थिति में आप अपने देश को बर्बाद करना शुरू कर देते हैं। पीएम मोदी की सराहना करते हुए पाकिस्तानी युवा ने कहा कि मैं प्रार्थना करता हूं कि मोदी हमें मिल जाएं और वो पूरे देश पर शासन करते रहें। पाकिस्तान और भारत की तुलना करना बंद कर दो, क्योंकि दोनों देशों के बीच तुलना करने जैसा कुछ भी नहीं है।

बिहार में मालगाड़ी के 13 डब्बे पटरी से उतरे, कोई घायल नहीं

सासाराम। बिहार के रोहतास जिले के न्यू करवंदिया और न्यू सोननगर रेलवे स्टेशनों के बीच समर्पित फ्रेट कोरिडोर पर एक मालगाड़ी के 13 डब्बे पटरी से उतर गये।एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को इसकी जानकारी दी।अधिकारी ने बताया कि यह घटना सीता विगहा गांव के पास बुधवार की रात 9.55 बजे हुयी जिसमें 13 खाली डब्बे पटरी से उतर गये।पूर्व मध्य रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, ''चिरैला पौथू रेलवे स्टेशन के निकट फ्रेट कोरिडोर की दोनों लाइन इससे बाधित हो गयी। डब्बों के हटाकर अप लाइन को आज सुबह10.15 बजे बहाल कर दिया गया। डाउन लाइन पर आज शाम तक परिचालन बहाल होने की संभावना है।'' अधिकारी ने बताया कि मालगाड़ी के डिब्बों के पटरी से उतरने के कारणों का अब तक पता नहीं चला है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने ऑटो चालकों के लिए वर्दी संबंधी याचिका पर सरकार से जवाब मांगा

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में ऑटो चालकों के लिये वर्दी अनिवार्य करने संबंधी याचिका पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने राजधानी की आप सरकार से मामले में अपना रूख स्पष्ट करने को कहा है।परमिट शर्तों और मोटर वाहन नियमों में इस मुद्दे पर अस्पष्टता को ध्यान में रखते हुए, मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा की अध्यक्षता वाली पीठ ने सरकारी वकील को यह स्पष्ट करने के लिए कहा कि क्या राष्ट्रीय राजधानी में ऑटो चालकों के लिए खाकी या ग्रे रंग की वर्दी निर्धारित है।इस पीठ में न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद भी शामिल हैं।चालकों के एक संघ' चालक शक्ति ' की ओर से दायर इस याचिका पर पीठ सुनवाई कर रहा थी, जिसमें ऑटो रिक्शा और टैक्सी चालकों के लिये वर्दी अनिवार्य किये जाने के फैसले को चुनौती दी गयी है और इसमें आरोप लगाया गया है कि इस तरह की अनिवार्यता संविधान का उल्लंघन है।अदालत ने अपनी मौखिक टिप्पणी में कहा कि वर्दी के पीछे का विचार इसे पहनने वालों की पहचान से है। दिल्ली सरकार के अधिवक्ता ने मामले में रूख स्पष्ट करने के लिये समय की मांग की और कहा कि वर्दी के संबंध में कुछ निश्चित नियमों का पालन करना होगा। याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि वर्दी नहीं पहनने पर चालकों के खिलाफ 20 हजार रुपये का भारी-भरकम चालान करने का नियम थोपा जा रहा है जबकि इस संबंध में अभी तक कानून स्पष्ट नहीं है।

किन्नरों के खिलाफ नागपुर पुलिस ने धारा 144 लागू की

नागपुर ।महाराष्ट्र के नागपुर शहर में पुलिस ने सार्वजनिक स्थानों पर किन्नरों को गैरकानूनी रूप से एकत्रित होने से रोकने के लिए दो माह के लिए धारा 144 लागू की है।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि किन्नरों के खिलाफ उगाही की शिकायतों के बाद कदम उठाया गया है।नागपुर पुलिस द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, ऐसी शिकायतें आ रही थीं कि किन्नर बिना बुलाए सार्वजनिक स्थानों, यातायात सिग्नल, लोगों के घरों, शादी समारोहों और अन्य कार्यक्रमों में जाते हैं, अश्लील कृत्य करते हैं और लोगों से उगाही करने के लिए उन्हें धमकियां देते हैं।पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने शिकायतों का हवाला देकर कहा कि अगर लोग किन्नरों की मांग पूरी करने से इनकार कर देते हैं, तब वे गाली गलौज और यहां तक कि मारपीट पर भी उतारू हो जाते हैं। विज्ञप्ति में कहा गया कि इसकारण नागपुर में किन्नरों को गैरकानूनी रूप से एकत्रित होने से रोकने के लिए 17 फरवरी से 17 अप्रैल 2023 तक धारा 144 लागू कर दी है।

यूपी के रायबरेली जिले में नहीं थम रहा रहस्यमयी मौतों का सिलसिला, 36 घंटों में 6 मौतों से सहमे लोग, प्रशासन ने कहा- प्राकृतिक मौत

रायबरेली। यूपी के रायबरेली में रहस्यमयी मौतों का सिलसिला थम नहीं रहा है।आज फिर अचानक हुई एक मौत के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 6 हो गई है। उधर स्वास्थ्य विभाग लगातार इन मौतों को स्वाभाविक बताते हुए एक ही गांव में एक साथ इतने लोगों की मौत को महज इत्तेफाक मान रहा है।हालांकि, स्वास्थ्य विभाग ने यहां पांच दिन के लिए कैंप लगाया है, जहां सभी गांव वालों की गहन जांच-पड़ताल की जा रही है। दरअसल, मामला लालगंज तहसील में खीरों ब्लॉक के भीतरगांव का है।मंगलवार पिछले 36 घंटों में अचानक 6 लोगों की मौत हो गई।इनमें अधिकतर की मौत चलते-फिरते हुई, जबकि कई ऐसे भी हैं जो रात को सोये तो फिर कभी उठे ही नहीं। बुधवार की रात तक यह सिलसिला एक के बाद एक जारी रहा तो ज़िला प्रशासन भी चौकन्ना हुआ। आनन-फानन सीएचसी के डॉक्टरों ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की और बताया कि सभी स्वाभाविक मौतें हैं और महज इत्तेफाक है कि 24 घंटे के भीतर पांच लोगों की मौत हुई है।स्वास्थ्य विभाग के तब हाथ पांव फूल गए जब आज फिर राजस्व विभाग में अमीन के पद पर तैनात रहे सत्तीदीन की उस वक्त मौत हो गई, जब वह सुबह घर के बाहर झाड़ू लगा रहा था।परिजनों का कहना है कि वह लोग गांव में हुई पांच मौतों से स्तब्ध थे ही, लेकिन तभी खुद उनके घर का ही एक स्वस्थ व्यक्ति दम तोड़ गया।उधर गांव में कैम्प कर रहे डॉक्टर फारूकी का कहना है कि मृतकों में ज्यादातर की बीपी, शुगर की हिस्ट्री रही है। लापरवाही और जानकारी के अभाव में इनकी मौत होना लग रही है।हालांकि, कोई लापरवाही न हो, इसलिए वह कैंप कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष खीरों शिवराम सिंह ने मीडिया को बताया कि पिछले 36 घंटों में 6 लोगों की एक ही गांव में रहस्यमय तरीके से मौत हो जाने से लोग सहमे हुए हैं। जिला प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया और गांव आकर जांच-पड़ताल की है।मुख्य चिकित्सा अधिकारी रायबरेली डॉ वीरेंद्र सिंह ने बताया कि जिन लोगों की मृत्यु हुई है वह सभी औसतन 75 वर्ष की उम्र के लोग थे।जिनमें से कुछ शुगर और ब्लड प्रेशर के मरीज थे।गांव में कैंप लगाकर स्वास्थ्य विभाग द्वारा ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि सभी की नेचुरल डेथ हुई है।

जेल में बंद सुकेश के पास रेड के दौरान मिली गूची की 1.5 लाख रुपये की चप्पल

-अफसरों को देख सुकेश हक्का-बक्का रह गया

नई दिल्ली ।महाठग सुकेश चंद्रशेखर इनदिनों दिल्ली के मंडोली जेल में बंद है। हमेशा लग्जरी चीजों का शौक रखने वाले सुकेश की जेल वाली कोठरी में पुलिस ने गुरुवार सुबह रेड मारी।छापेमारी के दौरान लग्जरी सामान मिले हैं। सुकेश के पास गूची की 1.5 लाख रुपये की चप्पल और 80 हजार के दो जींस बरामद हुए हैं।सेल में जेलर दीपक शर्मा और जयसिंह के अलावा सीआरपीएफ के जवानों ने भी रेड डाली। अपनी सेल में अचानक छापेमारी के लिए आए अफसरों को देख सुकेश हक्का-बक्का रह गया। इसके बाद में सुकेश फूट-फूटकर रोने लगा। सुकेश की जेल की कोठरी से लग्जरी सामान मिलने का वीडियो भी वायरल हो रहा है, इसपर जेल प्रशासन ने कार्रवाई की बात कही है। पुलिस प्रशासन को सुकेश की कोठरी से 1.5 लाख रुपये की गूची की चप्पल और महंगे जींस मिले हैं।पुलिस अधिकारियों और सीआरपीएफ को मौके से जो लग्जरी सामान मिले, उस देखकर वे भी हैरान रह गए।वहीं, जेल अधिकारी ने कहा कि जेल प्राधिकरण जांच करेगा और उस व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करेगा जिसने सुकेश चंद्रशेखर का सीसीटीवी फुटेज लीक किया है।

श्रीलंका में पवन ऊर्जा परियोजनाओं पर हो रहा करोड़ों का निवेश

-आर्थिक तंगी से जूझ रहे श्रीलंका को मिलेगा अदानी का सहारा

नई दिल्ली ।आर्थिक तंगी से जूझ रहे श्रीलंका ने दिवालिएपन की घोषणा कर दी है, जिसके बाद वहां महंगाई तेजी से बढ़ी है। इसी बीच वहां की स्थिति को सुधारने के लिए अदानी ग्रुप श्रीलंका में एक बड़ा निवेश करने जा रही है। श्रीलंका ने अपने पहले बड़े विदेशी निवेश की घोषणा की, जिसमें अदानी ग्रुप द्वारा 442 मिलियन डॉलर (लगभग 36 अरब रुपये) की पवन ऊर्जा परियोजना को मंजूरी दी गई है। इस परियोजना के अलावा अदादनी ग्रुप श्रीलंका के सबसे बड़े बंदरगाह पर 700 मिलियन डॉलर के पोर्ट टर्मिनल प्रोजेट पर भी काम कर रही है।इसे भारत के तरफ से चीन के बढ़ते प्रभाव के जवाब के रूप में देखा जा रहा है।जानकारी के अनुसार अदानी ग्रुप श्रीलंका में अपने दो-दो विंड फार्म को स्थापित करेगी और दोनों फार्म 2025 तक राष्ट्रीय ग्रिड को बिजली की आपूर्ति करेंगे।श्रीलंका के ऊर्जा मंत्री कंचना विजेसेकरा ने कहा कि पवन ऊर्जा परियोजना को अंतिम रूप देने के लिए उन्होंने बुधवार को कोलंबो में अदानी ग्रुप के अधिकारियों से मुलाकात की।

येदियुरप्पा ने चुनावी राजनीति से लिया संन्यास, विदाई भाषण में बोले- अंतिम सांस तक पार्टी के लिए ईमानदारी से करता रहूंगा काम

नई दिल्ली(एजेंसी)। कर्नाटक में इस साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। चुनावी साल में कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता बीएस येदियुरप्पा ने चुनावी राजनीति से संन्यास की घोषणा कर दी है। उन्होंने विधानसभा में अपने विदाई भाषण में कहा कि वह अंतिम सांस तक इमानदारी से पार्टी को मजबूत करने और उसे सत्ता में लाने का प्रयास करते रहेंगे। बीएस येदियुरप्पा की गिनती भाजपा के उन नेताओं में होगी जिन्होंने दक्षिण भारत में पार्टी को मजबूत करने का काम किया है। दक्षिण भारत के एकमात्र राज्य कर्नाटक में येदियुरप्पा चार बार मुख्यमंत्री पद की कुर्सी संभाल चुके हैं। हालांकि येदियुरप्पा ने यह भी कहा कि उनके घर बैठने का कोई सवाल नहीं है। वह विधानसभा सत्र के बाद राज्य का दौरा करेंगे और भाजपा तथा उसके उम्मीदवारों के लिए प्रचार करेंगे।

येदियुरप्पा ने भाजपा के विधायकों से लोगों के बीच विश्वास के साथ जाने और वोट मांगने का आग्रह किया। इसके साथ उन्होंने दावा किया कि भाजपा स्पष्ट रूप से बहुमत के साथ एक बार फिर से सत्ता में वापसी करेगी। भावनात्मक होते हुए येद्दयुरप्पा ने कहा कि अगर भगवान मुझे शक्ति देता है तो मैं अगले चुनाव में भी जो इस चुनाव के 5 साल बाद होगा, भाजपा को सत्ता में लाने के लिए प्रयास करूंगा। आपको बता दें कि उम्र की वजह से यह येदियुरप्पा को पिछले साल मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। येदियुरप्पा के इस्तीफे के बाद बसवराज बोम्मई को भाजपा ने कर्नाटक का मुख्यमंत्री बनाया था।

विधानसभा का सत्र शुक्रवार को समाप्त हो रहा है और येदियुरप्पा ने कहा, यह एक तरह से मेरी विदाई है, क्योंकि मैं इसके बाद विधानसभा में तो आ सकता हूं और न ही बोल सकता हूं। इस पर विधानसभा अध्यक्ष विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी और संसदीय कार्य मंत्री जे सी मधुस्वामी ने हस्तक्षेप किया और कहा कि येदियुरप्पा शुक्रवार को सदन में अपना अंतिम भाषण देंगे।

कर्नाटक में बोले अमित शाह, कांग्रेस और जेडीएस परिवारवादी पार्टियां, नहीं कर सकते राज्य का विकास

बैंगलुरु (एजेंसी)। आगामी कर्नाटक विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने अपनी ताकत लगानी शुरू कर दी है। भाजपा के दिग्गज नेता लगातार कर्नाटक दौरे पर जा रहे हैं। इसी कड़ी में आज भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कर्नाटक के बेल्लारी पहुंचे थे। बेल्लारी में उन्होंने विजय संकल्प समावेश को संबोधित किया। अपने संबोधन के दौरान अमित शाह ने कांग्रेस और जेडीएस पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा। अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस और जेडीएस वंशवादी पार्टियां हैं और ऐसी पार्टियां लोगों के कल्याण के लिए काम नहीं कर सकतीं। उन्होंने कहा कि जेडीएस को दिया गया आपका एक-एक वोट कांग्रेस पार्टी को जाने वाला है और कांग्रेस को दिया गया एक एक वोट सिद्धारमैया और दिल्ली का एटीएम बनी उनकी सरकार को जाने वाला है।

हुंकार भरते हुए शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने पीएफआई पर प्रतिबंध लगा दिया। हालांकि, जब कांग्रेस का शासन था, तो पीएफआई के खिलाफ 1,700 मामले वापस ले लिए गए थे। कांग्रेस पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि सीएम पद के लिए डीके शिवकुमार और सिद्धारमैया... दोनों लड़ रहे हैं। इनकी लड़ाई से कर्नाटक का कल्याण नहीं होगा। कर्नाटक का कल्याण करना है तो भाजपा की सरकार ही प्रदेश में बनानी होगी तभी राज्य का विकास होगा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने पर दावा किया कि इससे रक्तपात हो सकता है। हालांकि किसी ने पत्थर मारने की हिम्मत नहीं की।

इससे पहले भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मंगलवार को कांग्रेस पर हमला करते हुए उस पर ''तुष्टिकरण और विभाजन'' की राजनीति करने का आरोप लगाया था और कर्नाटक के विकास के लिए राज्य की जनता से फिर से ''डबल इंजन'' सरकार चुनने की अपील की। नड्डा ने आरोप लगाया कि तुष्टिकरण की राजनीति के तहत उन्होंने पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) और कर्नाटक फोरम फॉर डिग्निटी (केएफडी) के कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामले वापस लिए थे। उन्होंने कहा था कि जब कांग्रेस आती है तो समाज में बिखराव होता है, जब कांग्रेस आती है तो फूट डालो और राज करो की नीति अपनाती है। यह कांग्रेस की राजनीति की मूल विशेषता है।

जब मोदी पीएम बन सकते हैं तब...तेजस्वी सीएम क्यों नहीं बन सकते : शत्रुघ्न सिन्हा

-2024 में ममता दीदी गेंमचेंजर साबित होगी

पटना (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद शत्रुघ्न सिन्हा कोलकाता से पटना पहुंचे। इस दौरान तेजस्वी यादव के मुख्यमंत्री बनाए जाने के सवाल पर सिन्हा ने कहा जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को सक्षम माना जाता है, तब तेजस्वी मुख्यमंत्री क्यों नहीं बन सकते हैं।

सीएम नीतीश कुमार के द्वारा विपक्ष को एकजुट करने की बात पर सिन्हा ने कहा कि नीतिश बाबू बहुत परिपक्क आदमी है। वह बहुत दिनों से विपक्ष को एकजुट करने की कोशिश कर रहे हैं। विपक्ष की एकजुटता पूरा देश ही चाहता है। उन्होंने कहा कि इसमें नीतीश जी लीड ले रहे हैं, मैं समझता हूं कि धीरे-धीरे सब कोई उस लीड के कायल होकर विपक्ष के लोग विपक्षी एकजुटता होगी। उन्होंने कहा कि विपक्षी एकजुटता कहा तक होगी ये आने वाला वक्त बताएगा। सिन्हा ने कहा कौन होगा प्रधानमंत्री विपक्ष से वह तय करने का अभी फायदा नहीं है, बचपन से हम लोग सुनते आ रहे हैं आफ्टर नेहरू हू, आफ्टर जवाहरलाल नेहरू हू, आफ्टर लाल बहादुर शास्त्री हू, हू हू चलता रहता है, फैसला हो जाता है। राहुल गांधी या उनके लोग नेतृत्व में सक्षम हैं, काबिल हैं, ठीक उसी तरह ममता बनर्जी को लोग कहते हैं इकलौती महिला मुख्यमंत्री है। ऐसा लगता है आने वाले समय में 2024 में ममता दीदी भी एक बहुत बड़ी गेमचेंजर बनकर उभर कर सामने आएगी। अगर हमें लोगों का साथ मिले सहयोग मिले हमारे पास संख्या बल हो तब मैं तो शुरु से कहता आ रहा हूं कोई भी प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री बन सकता है। सिन्हा ने कहा लोगों को पहले से ही लग रहा था, अरविंद केजरीवाल की जीत मेयर चुनाव में होगी। इतनी ज्यादा सीटें

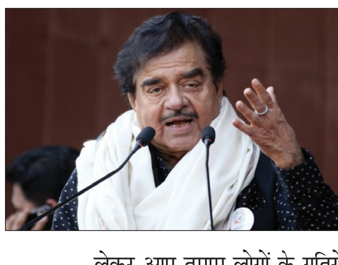

लेकर आए तमाम लोगों के गतिरोध पहुंचाने के बावजूद। केजरीवाल और उनकी आम आदमी पार्टी बहुत दमखम के साथ सामने आई। हम सब की यही अपेक्षा थी। अरविंद केजरीवाल के वादों में भी दम है और उनकी टीम में क्षमता भी है। वहीं शिवसेना प्रकरण पर प्रतिक्रिया देकर सिन्हा ने कहा शरद पवार देश के बड़े महान नेता हैं उन्होंने जो शिवसेना को लेकर कहा है उनकी बात का मैं खंडन नहीं कर सकता हूं। उन्होंने बड़ी अच्छी बात कही है।

राजनैतिक मजूबरी के कारण एनसीपी प्रमुख पवार ने दिखाई उद्धव गुट के प्रति सहानभूति

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना को लेकर आए निर्वाचन आयोग के फैसले पर बहस में पड़ने से दिग्गज नेता और एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने इनकार कर दिया था। हालांकि, पवार की मामले से दूरी ज्यादा दिन नहीं रही और उन्होंने आयोग पर हमला बोल ही दिया। अब सियासी गलियारों में चर्चाएं हैं कि एनसीपी के अचानक यूटर्न के मायने क्या हैं?

सुप्रीम कोर्ट ने आयोग के फैसले पर रोक लगाने से इनकार किया है। बीते शुक्रवार को ही आयोग ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाले गुट को शिवसेना और चिह्न तीर-कमान सौंप दिया। एनसीपी प्रमुख ने कहा, मैंने कभी नहीं देखा कि चुनाव आयोग एक पार्टी की पूरी ताकत ले ले। पहले भी इसतरह के उदाहरण हैं, जहां राजनीतिक दल बंटे हैं। हमने कांग्रेस (ओ) और कांग्रेस (आई) को देखा है। कांग्रेस (आई) पार्टी का नाम लेने वालीं दिवंगत इंदिरा गांधी ने हाथ का चिह्न लिया। जब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, कांग्रेस से अलग हो रही थी, तब हमने नया नाम और चिह्न लिया। किसी ने कभी भी वास्तविक पार्टी और निशान पर दावा नहीं किया। बताया जा रहा हैं, इसके द्वारा पवार की कोशिश विधानसभा और लोकसभा चुनाव तक गठबंधन को बनाकर रखा जा सके। वहीं, दूसरी रणनीति को इस तरह से देखा जा सकता है कि एनसीपी उद्धव के प्रति सहानुभूति का इस्तेमाल कर ठाकरे के गढ़ में अपनी पकड़ मजबूत करने में जुटी हुई है। ताजा सियासी घटनाक्रमों के जरिए पवार पिंपरी-चिंचवाड़ में अपनी पार्टी को मजबूत करना चाहते हैं, जहां उद्धव की सेना और एनसीपी में खींचतान सामने आई थी।

जावेद के पैरों के पास बैठकर रो रही पाकिस्तानी महिला, पाकिस्तानी सेलिब्रेटी को लगी मिर्ची

-अली जफर की पार्टी का वीडियो हुआ वायरल

मुंबई (एजेंसी)। बालीवुड गीतकर जावेद अख्तर बीते दिनों पाकिस्तान में थे। उन्होंने फैज फेस्टिवल में शिरकत की थी। इस मौके का वीडियो बार्डर के इस पार और उस पार खूब चर्चा में है। दरअसल जावेद अख्तर ने लाहौर में बैठकर पाकिस्तान को बेइज्जत किया।इस पर अब पाकिस्तान के कुछ सिलेब्रिटी भड़के हुए हैं। इस बीच पाकिस्तानी सिंगर अली जफर की पार्टी का वीडियो वायरल है। वीडियो देखकर भी जमकर भड़ास निकाली जा रही है। दरअसल अली ने अख्तर के सम्मान में छोटी सी आफ्टर पार्टी रखी थी। इसमें अली गाते दिख रहे हैं। एक लड़की जावेद के पैरों के पास बैठी रो रही है। जावेद के तंज के तुरंत बाद अली का ये सब करना अब उनके देश के लोगों को नहीं भा रहा है।

जावेद अख्तर का फैज फेस्टिवल वाला वीडियो अब तक खूब सुर्खियां बटोर चुका है। इस पर पाकिस्तान के कई सिलेब्स भड़के हुए हैं। कई पाकिस्तानी अभिनेता और अभिनेत्री ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर जावेद के खिलाफ लिखा है। वहीं अब अली जफर की पार्टी भी लोगों के निशाने पर आ गई है। फैशन डिजाइनर जारा शाहजहां ने ट्वीट किया है, उन्हें सिर्फ पाकिस्तान आने ही नहीं दिया गया बल्कि पाकिस्तान में बैठने दिया गया और फिर लाहौरी फेक एलीट ने उनके लिए पार्टी रखी और वे लोग पैरों पर बैठकर रोए। बता दें कि जारा उस महिला की दोस्त हैं, जिन्होंने अली पर सेक्शुअल हैरामेंट का आरोप लगाया था। रिपोर्ट के मुताबिक, जफर ने बताया कि छोटी सी पार्टी रखी गई थी जिसमें उन लोगों ने जावेद के गाने गाए थे और नज्में पढ़ी थीं।

राहुल गांधी 2024 के चुनाव में हो सकते हैं विपक्ष के पीएम उम्मीदवार !

-महाराष्ट्र के पूर्व सीएम ठाकरे के बाद एनसीपी प्रमुख पवार ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष की वकालत की

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी दलों के गठबंधन की आवाज अब मुखर हो रही है। अगले साल 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए सियासी बिसात बिछना शुरू हो गई है। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे के बाद एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष की वकालत की है। साथ ही दोनों नेताओं ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की जमकर तारीफ भी की है। शिवसेना और एनसीपी द्वारा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष की प्रशंसा के बाद उनकी पीएम के तौर पर उम्मीदवारी और मजबूत दिख रही है। शरद पवार ने आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व को स्वीकार किया है। शरद पवार ने बुधवार को पुणे में एक कार्यक्रम के दौरान कहा था कि एनसीपी आगामी लोकसभा चुनाव में किसी भी कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष का साथ देगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस बड़ी पार्टी है, उन्हें नेतृत्व करने दीजिए। हम कांग्रेस के नेतृत्व को स्वीकार करते हैं।

एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने राहुल गांधी की खुलकर तारीफ भी की है। शरद ने राहुल गांधी द्वारा भारत जोड़ो यात्रा निकालने और चीन सीमा विवाद पर अपनी बात रखने को लेकर उनकी प्रशंसा की है। शरद पवार ने कहा कि कुछ दिन पहले एक युवक कन्याकुमारी से पैदल चलकर कश्मीर आया। देश की सत्ता पर काबिज लोगों ने उनकी तारीफ नहीं की। वह आदमी सिर्फ ये देखना चाहता था कि देश में कोई कमी तो नहीं, लेकिन मजाक उड़ाया गया। फिर भी वो चलते रहे और लोगों से मिलते रहे। इससे पहले उद्धव ठाकरे ने सामना में एक लेख के जरिए राहुल गांधी की तारीफ की। उद्धव ने कहा था कि राहुल गांधी का नेतृत्व 'भारत जोड़ो' यात्रा से मजबूत और परिपक्क हुआ है। उन्होंने पूरे देश में पैदल चलकर और उसके बाद संसद सत्र में हिंडेनबर्ग व मोदी-अदानी दोस्ती मामले पर पीएम मोदी पर जोरदार हमला बोला।

पवार ने बिहार के सीएम नीतीश कुमार के एक बयान का हवाला देते हुए कहा कि कांग्रेस के बिना विपक्षी एकता संभव नहीं है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि आगामी चुनाव को लेकर चर्चा होनी जरूरी है। इसके लिए कांग्रेस के पहल करने में कोई दिक्कत नहीं है। वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने नागालैंड में एक रैली के दौरान बड़ा दावा किया। खड़गे ने कहा कि अगले लोकसभा चुनाव में गठबंधन सरकार केंद्र में आएगी और कांग्रेस इसका नेतृत्व करेगी।

लगातार आ रहे भूकंप: 24 घंटों में कजाकिस्तान, अफगानिस्तान, चीन और तुर्की समेत 5 देशों में महसूस किए गए भूकंप के झटके

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले 48 घंटे में 5 देशों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। अफगानिस्तान और तजाकिस्तान में गुरुवार सुबह भूकंप आया। तजाकिस्तान में आए भूकंप की तीव्रता 7.2 बताई जा रही है। जबकि, अफगानिस्तान में आए भूकंप की रिक्टर स्केल पर तीव्रता 6.8 मापी गई। भूकंप का असर चीन सीमा से सटे इलाकों में भी दिखाई दिया। तुर्की के एंटिऑक में स्थानीय समयानुसार सुबह 04.42 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए।

भूकंप की तीव्रता 4.2 थी। इससे पहले बुधवार को भारत में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। अगर एक नजर डाले पिछले 48 घंटे में कब कहां भूकंप आए, तो अफगानिस्तान में गुरुवार सुबह 06.07 मिनट पर भूकंप आया। भूकंप का केंद्र फैजाबाद से 265 किलोमीटर दूर स्थित था। हालांकि, भूकंप से किसी भी तरह के जानमाल की खबर सामने नहीं आई है। तजाकिस्तान में सुबह 6:07 बजे 6.7 तीव्रता का भूकंप आया। चीन से लगी सीमा के पास भूकंप का असर देखने को मिला है।तुर्की के एंटिऑक में स्थानीय समयानुसार सुबह 04।42 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता 4.2 थी।

भारत में दिल्ली एनसीआर में बुधवार दोपहर में भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र नेपाल में था। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.8 थी। नेपाल के जुमला से 69 किमी दूर इसका केंद्र था। हालांकि, दिल्ली-एनसीआर में भूकंप के झटके काफी हल्के थे। इससे पहले बुधवार को दोपहर 1.30 बजे उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता 4.4 थी। भूकंप का केंद्र पिथौरागढ़ से 143 किमी दूर जमीन के 10 किलोमीटर भीतर थी।

पिछले 24 घंटे में 5 देशों में भूकंप के झटके ऐसे समय पर आए, जब इसी महीने भूकंप ने तुर्की और सीरिया में भारी तबाही मचाई है। तुर्की और सीरिया में 6 फरवरी को 7.8 तीव्रता का भूकंप आया था। दोनों देशों में अब तक 46000 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। अकेले तुर्की में भूकंप से 2 लाख से ज्यादा अपार्टमेंट तबाह हो गए थे। भूकंप का केंद्र तुर्की-सीरिया बॉर्डर पर था। सीरिया में भी भूकंप से भारी तबाही हुई। सैकड़ों लोग अब भी लापता हैं।

नेशनल सेंटर फार सिस्मोलॉजी के मुताबिक, भारत में 1 जनवरी से 31 जनवरी तक 45 बार भूकंप आया। 6 बार हिमाचल प्रदेश, 5 बार उत्तराखंड और कर्नाटक में भूकंप के झटके महसूस किए गए। जम्मू कश्मीर, लद्दाख, अंडमान और मणिपुर में चार चार बार भूकंप आया। जबकि असम में तीन बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। तुर्की-सीरिया में 6 फरवरी को भूकंप आया था। इसमें 46000 लोगों की मौत हुई है। लाखों लोग बेघर हो गए। नीदरलैंड के एक रिसर्चर फ्रैंक हूगरबीट्स ने भूकंप से तीन दिन पहले ही भारी तबाही की भविष्यवाणी की थी। इतना ही नहीं फ्रैंक हूगरबीट्स ने भारत, अफगानिस्तान और पाकिस्तान के आसपास भूकंप के बड़े झटके लगने का अनुमान जताया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कूत्तों के काटने से घायल बच्ची की मौत, तीन दिन से सिविल अस्पताल में चल रहा था इलाज

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत, शहर के खजोद क्षेत्र में तीन कूत्तों ने दो साल की एक बच्ची को बुरी तरह नोंच लिया था। गंभीर रूप से घायल बच्ची को सूरत के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। तीन दिन के उपचार के बाद बीती रात बच्ची की मौत हो गई। बच्ची के मौत से परिवार में शोक व्याप्त है। पश्चिम बंगाल के मूल निवासी रवि कहार पत्नी और दो बच्चों के साथ सूरत के खजोद क्षेत्र में रहते हैं और मजदूरी काम कर परिवार का गुजरान चलाते हैं। गत रविवार को रवि कहार की दो वर्ष के बच्ची घर के सामने खेल रही थी। उस वक्त तीन कूत्तों ने बच्ची पर हमला कर दिया। कूत्तों ने बच्ची को बुरी तरह से नोंच नोंच कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। गंभीर हालत में बच्ची को सूरत के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। तीन दिन के उपचार के बाद बुधवार की रात बच्ची ने दम तोड़ दिया। सिविल अस्पताल के चिकित्सकों ने बताया कि कूत्तों के काटने से बच्ची के शरीर पर 30 से 40 घाव हो गए थे। बच्ची की हालत गंभीर देख उसका प्राथमिक उपचार कर सर्जरी विभाग में भर्ती किया गया था। जहां बच्ची की सर्जरी भी की गई थी, जिसमें 2 से 3 घंटे लगे थे। सर्जरी के बाद बच्ची को सभी प्रकार का उपचार किया जा रहा था। लेकिन दुर्भाग्य से बच्ची को बचाने में हम सफल नहीं हुए।

राज्य विधानसभा में गुजरात सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम विधेयक सर्वसम्मति से मंजूर

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात में अब विभिन्न परीक्षाओं के पेपर लीक करनेवालों की खैर नहीं है। गुजरात विधानसभा में पेपर लीक को लेकर एक विधायक सर्व सहमति से पास कर दिया गया, जिसमें ऐसी घटनाओं के आरोपियों के खिलाफ सख्त सजा प्रावधान है। गुजरात विधानसभा के बजट सत्र के पहले ही दिन गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने गुजरात सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम विधेयक-2023 को पेश किया। संघवी ने विधेयक पेश करते हुए कहा कि मैं ज्यादा बोलने के बजाए सुनने के लिए सदन में आया हूं। विधानसभा में गुजरात सार्वजनिक अधिनियम विधेयक-2023 को सर्व सहमति से पास कर दिया गया। विधेयक में भर्ती प्रक्रिया में शामिल सभी सरकारी और गैर सरकारी लोगों की लापरवाही के लिए कड़ी सजा का प्रावधान है। सार्वजनिक परीक्षा के पेपर लीक मामले में आरोपियों के खिलाफ विधेयक में कम से कम 7 वर्ष और ज्यादा से ज्यादा 10 वर्ष की सजा का प्रावधान है। साथ ही पेपर लीक करने वाले को रु 1 करोड़ का जुर्माना लगाने का प्रावधान है। जुर्माने की रकम ना भरने पर फौजदारी कार्यवाही की जाएगी। साथ ही पेपर लीक के आरोपी की संपत्ति भी जब्त किए जाने का विधेयक में प्रावधान है। इतना ही नहीं ऐसा अपराध में जमानत नहीं मिलेगी। ऐसे मामलों में कोई दोषी पाया जाता है तो जुर्माने की रकम में किसी प्रकार की राहत नहीं मिलेगी।

परीक्षा बोर्ड में अगर कोई पेपर लीक के लिए जिम्मेदार पाया जाता है तो उसके खिलाफ भी सजा का प्रावधान किया गया है।

बीएसएफ के जवानों ने कच्छ के सिरक्रीक से 3 पाकिस्तानी मछुआरों को पकड़ा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

कच्छ,भारतीय सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने कच्छ के सिरक्रीक क्षेत्र में गश्त के दौरान तीन पाकिस्तानी मछुआरों को दबोच लिया। साथ ही एक पाकिस्तानी फिसिंग बोट भी जब्त कर ली। हांलाकि पाकिस्तानी मछुआरों के पास कोई संदिग्ध सामग्री बरामद नहीं हुई। पकड़े पाकिस्तानी मछुआरों में सैयद गुलाम मुर्तजा हसन मोहमद शाह, विल बाल्दिया बशीर जवाद गर्जे मुशापरा और अली अकबर अब्दुल गनी भुट्टा केमारी शामिल है। पूछताछ में पाकिस्तानी मछुआरों ने बताया कि उनकी बोट का इंजन टूट गया था और तेज हवा व तूफानी लहरों के कारण बोट कच्छ के सिरक्रीक की ओर बहकर आ गई। अंजाने में भारतीय समुद्री में सीमा में उन्होंने प्रवेश किया था। प्राथमिक पूछताछ के बाद पकड़े पाकिस्तानी मछुआरों को नारायण सरोवर पुलिस के हवाले किया जाएगा, जहां से उन्हें भुज की जेआईसी भेजा जाएगा। जेआईसी में अलग अलग एजंसियां जांच करेगी। पाकिस्तानी मछुआरों के पकड़े जाने के बाद सभी एजंसियां सतर्क हो गई हैं।

दुष्कर्मी आसाराम की पूजा के मामले में शिक्षा विभाग ने शिक्षकों का कच्छ में तबादला किया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

दुष्कर्म के अपराध में 2013 से जोधपुर की जेल में बंद आसाराम बापु की तस्वीर की पूजा करने के मामले में राज्य के शिक्षा विभाग ने बड़ी कार्यवाही की है। घटना महीसागर जिले की लूणावाडा तहसील के जामा पगी के मुवाडा प्राथमिक स्कूल की है7 जहां कुछ शिक्षकों ने आसाराम की तस्वीर की पूजा की थी। घटना का वीडियो सामने आने के बाद शिक्षा विभाग में हड़कम्प मच गया था। इस मामले में गुजरात के शिक्षा विभाग ने बड़ी कार्यवाही करते हुए लूणावाडा तहसील शिक्षा संघ के प्रमुख बिपिन पटेल समेत पांच शिक्षकों को कच्छ में तबादला कर दिया है। साथ ही विभागीय जांच का भी आदेश दिया है। दरअसल स्कूल में आसाराम की पूजा को लेकर काफी विवाद हुआ था और इसके दोषी शिक्षकों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग की गई थी। आखिरकार पांच शिक्षकों का कच्छ में तबादला करने के साथ ही विभागीय जांच के आदेश भी